''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 263 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 08 दिसंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

हरियाणा से शुरू हुआ देशव्यापी 100 दिवसीय सघन टी.बी. उन्मूलन अभियान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पंचकूला से किया शुभारंभ

हरियाणा के लिए 10 निक्षय वाहनों को भी झंडी दिखाकर किया रवाना

केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में की गई उल्लेखनीय प्रगति के लिए की हरियाणा सरकार की सराहना

हरियाणा सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब लोगों के मुफ्त इलाज पर 2700 करोड़ रुपये की राशि खर्च की - जे.पी. नड्डा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने आज हरियाणा के पंचकूला जिले से देशव्यापी 100 दिवसीय सघन टी.बी. उन्मूलन अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में लागू किया जाएगा। पंचकूला में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने कहा कि 100 दिन के इस टीबी सघन अभियान के तहत देशभर में टीबी से अत्याधिक प्रभावित 347 जिलों पर गहनता से फोकस किया जाएगा और टीबी की जांच की जाएगी, ताकि टीबी को फैलने से रोका जा सके। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में की गई उल्लेखनीय प्रगति के लिए हरियाणा सरकार की सराहना करते हुए श्री जेपी नड्डा ने कहा कि हरियाणा में लगातार चिकित्सा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2014 में हरियाणा में जहां 6 मेडिकल कॉलेज होते थे, उनकी संख्या बढ़कर आज 15 हो गई है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार का हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का संकल्प है। एमबीबीएस की सीटें जो वर्ष 2014 में 650 होती थी, उनकी संख्या बढ़कर आज 2185 हो गई हैं। वहीं, पीजी सीटों की संख्या भी 243 से बढ़कर 889 हो गई हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश में केवल 6 एम्स थे, जबकि आज 22 एम्स हैं। हरियाणा के रेवाड़ी में भी एम्स स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में आयुष्मान भारत योजना के तहत 1 करोड़ 22 लाख आयुष्मान कार्ड बनाये गए हैं और अस्पतालों में 18 लाख 50 हजार एडमिशन आयुष्मान भारत योजना के तहत हुए हैं। हरियाणा सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब लोगों को मुफ्त इलाज देने की सुविधाओं पर 2700 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है, जो सराहनीय है। जे. पी. नड्डा ने कहा कि 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को केंद्र सरकार आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा प्रदान कर रही है। यह कदम स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने हरियाणा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल के तहत हरियाणा ने 70,000 वया वंदना कार्ड बनाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने नवजात शिशु और मातृत्व सुरक्षा के लिए क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। नवजात शिशु चैकअप दर 63 प्रतिशत से बढ़कर 85 प्रतिशत हो गई है और संस्थागत जन्म दर 80 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके अलावा, संपूर्ण टीकाकरण कवरेज की दर भी 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गई है।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति से पहले भारत को टीबी मुक्त करने का दिया विजन

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति से पहले भारत को टीबी मुक्त करने का विजन रखा है। इसी विजन के तहत एक नई ऊर्जा व गति के साथ आज इस अभियान को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत में टीबी की दर में आज बहुत कमी आई है, वर्ष 2015 में गिरावट दर 8.3 प्रतिशत थी, जो आज 17.7 प्रतिशत हो गई है, जो वैश्विक औसत से कई अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी भारत में टीबी दर की कमी की सराहना की है। वहीं, पिछले 10 सालों में टीबी से होने वाली मृत्यु में भी 21.4 प्रतिशत की कमी आई है। जेपी नड्डा ने कहा कि टीबी सेवाओं को रोगी-अनुकूल और विकेंद्रीकृत बनाने के लिए कई नई रणनीतियां अपनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि आज टीबी का पता समय से पहले ही चल जाता है, जिसका श्रेय देश भर में 1.7 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वर्ष 2014 में 120 प्रयोगशालाओं के मुकाबले इनकी संख्या को बढ़ाकर आज 8,293 तक करके क्लिनिक्ल सेवाओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है।

1.17 करोड़ से अधिक टीबी रोगियों को डीबीटी के माध्यम से 3,338 करोड़ रुपये की निक्षय सहायता प्रदान की गई

श्री नड्डा ने कहा कि 1.17 करोड़ से अधिक टीबी रोगियों को डीबीटी के माध्यम से 3,338 करोड़ रुपये की निक्षय सहायता प्रदान की गई है। वहीं, सरकार ने हाल ही में निक्षय पोषण राशि को 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया है और टीबी रोगियों के पोषण सहायता के लिए ऊर्जा बूस्टर जोड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए हमें जनभागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। जनप्रतिनिधियों को जोड़ते हुए लोगों को जागरूक करके ही हम टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बना सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य अतिथियों ने हरियाणा के लिए 10 निक्षय वाहनों को भी झंडी दिखाकर रवाना किया और 100 दिवसीय सघन टी.बी. उन्मूलन अभियान के पोस्टर का विमोचन तथा नागरिकों को जागरूक करने हेतु प्रचार-प्रसार सामग्री का लोकार्पण किया।

इसके अलावा, निक्षयों मित्रों को भी सम्मानित किया गया और निक्षय पोषण किट भी वितरित की। कार्यक्रम के दौरान, टीबी की बीमारी से ठीक होने वाले टीबी चैंपियन को भी सम्मानित किया गया। इससे पहले, उन्होंने टीबी उन्मूलन अभियान से जुड़ी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थितजनों को निक्षय शपथ भी दिलवाई।

महिलाओं के लिए बड़ी योजना का सोमवार को पानीपत की धरा से शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को ऐतिहासिक नगरी पानीपत के सेक्टर 13-17 में सोमवार को आयोजित होने जा रहे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया व अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर सरकार हमेशा से गंभीर रही है व प्रधानमंत्री की महिलाओं को सशक्त करने की प्राथमिकता रही है। सरकार महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। 9 दिसंबर के कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह नजर आ रहा है। उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया की पानीपत का कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा इसको लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमा सखी योजना से महिलाएं और सशक्त होंगी व रोजगार के नए अवसर सर्जित होंगे। सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से भी महिलाओं के जीवन स्तर को आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति बिल पास करके महिलाओं को और सशक्त बनाया है। कुछ राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे थे लेकिन अब महिलाएं को और सशक्त बनाने के लिए सरकार कार्य कर रही है।

महिलाओं को सशक्त बनाना केंद्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता

किसानों की फसल को शत प्रतिशत एमएसपी पर खरीद रही राज्य सरकार

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत की ऐतिहासिक भूमि से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का भव्य संदेश दिया था, जिसका लाभ लाखों महिलाओं को मिल रहा है। कार्यक्रम के बाद बेटियों को सुरक्षा मिली और लाखों बेटियों को जीवनदान मिला।

मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि किसानों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार मजबूती से कार्य कर रही है। कुछ राजनीतिक दल किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें वे सफल नहीं होंगे। प्रधानमंत्री ने मजबूती व गति से किसानों के हित में फैसले लिए हैं। किसानों को सशक्त किया है। किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों की शत प्रतिशत फसल एमएसपी पर खरीदी जा रही है। एमएसपी का लाभ छोटे किसानों को भी मिल रहा है। इसमें सब्जी वाले किसान मुख्य रूप से शामिल है।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, श्री महिपाल ढांडा, श्री कृष्ण कुमार बेदी, विधायक प्रमोद विज और पूर्व सांसद श्री संजय भाटिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज आएंगे कुरुक्षेत्र में

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 8 दिसंबर को कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में वीवीआईपी के आगमन पर सुरक्षा की दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल व आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन/ग्लाईडर इत्यादि हवाई यंत्रों पर प्रतिबंध किया जाना जरुरी है। कुरुक्षेत्र की जिलाधीश नेहा सिंह ने जारी आदेशों में कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सुरक्षा की दृष्टि से कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए 8 दिसंबर को वीआईपी मार्ग, एनआईटी कुरुक्षेत्र, श्री भद्रकाली शक्तिपीठ व उसके आसपास 100 मीटर के दायरा तक सडक़के दोनों तरफ कोई भी वाहन खड़ा ना हो, वीआईपी मार्ग के 100 मीटर की परिधी के क्षेत्र में 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, लाठी-डंडे, तलवार, गंडासी, आग्नेय शस्त्र व अन्य किसी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने, खुला पेट्रोल, डीजल की बोतल, कैन पर पूर्णत प्रतिबंध, हैलीपेड स्थल, वीआईपी मार्ग के कार्यक्रम स्थल तथा आसपास ड्रोन/ग्लाईडर उड़ाने, कार्यक्रम स्थल के 500 मीटर के दायरे और मार्गों के दोनों तरफ किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन करने पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों की अवहेलना करने वाले के खिलाफ भारतीय न्याय सहिंता की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कुरुक्षेत्र की पावन धरा से पूरे विश्व में फैल रहा है पवित्र ग्रंथ गीता का प्रकाश : नायब सिंह सैनी

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा से पूरे विश्व में पवित्र ग्रंथ गीता का प्रकाश फैल रहा है। इस पवित्र ग्रंथ गीता से पूरी मानव जाति को कर्म और ज्ञान का संदेश मिल रहा है। पूरी मानवता की समस्याओं का समाधान करने का मार्ग भी इस ग्रंथ में समाहित है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को देर सायं गीता ज्ञान संस्थानम केंद्र में आयोजित दिव्य गीता सत्संग के चौथे दिन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने दीपशिखा प्रज्जवलित करके दिव्य गीता सत्संग के चौथे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। यह परम सौभाग्य है कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता ज्ञान संस्थानम में दिव्य गीता सत्संग का किया शुभारंभ

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के आशीर्वाद से किया जा रहा है दिव्य गीता सत्संग

पवित्र ग्रंथ गीता का उद्गम हुआ और यह ग्रंथ सर्व मानव जाति के लिए कर्म और ज्ञान का संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र ग्रंथ गीता से पूरी मानवता को हर विकट परिस्थिति में सही मार्ग पर चलने का ज्ञान मिल रहा है। इस ग्रंथ में हर व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने का संदेश मिलता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गीता जयंती महोत्सव को बड़े स्तर पर मनाने का संकेत दिया था। इसके उपरांत कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को वर्ष 2016 से बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है और इस पावन धरा से पूरी दुनिया को पवित्र ग्रंथ गीता को जानने का अवसर मिल रहा है। इस महोत्सव को विदेशों में मनाया जा रहा है। इस वर्ष सहयोग देश के रूप में तंजानिया और सहयोगी राज्य के रूप में ओडिशा भाग ले रहा है।

इसके साथ ही हर जिले में भी गीता जयंती को लेकर 3 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गौ संरक्षण पर भी विशेष फोकस रखा है और गौ सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके साथ ही गौ सेवा आयोग का बजट 400 करोड़ रुपए करने का काम किया है।

बल्लभगढ़ विधानसभा को दो करोड़ से ज्यादा की सौगात

विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोडूँगा- मूलचंद शर्मा

जैन कालोनी, गर्ग कालोनी पार्ट दो और आदर्श नगर मधु वाटिका के पास वाली बनेगी पक्की सड़के

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने आज बल्लभगढ़ विधानसभा को लगभग 2 करोड़ से ज़ूयादा में विकास कार्यों की सौगात दी है। आदर्श नगर,गर्ग कालोनी भाग दो और जैन कालोनी में गलियों की के निर्माण कार्य की शुरुआत स्थानीय निवासियों के हाथ नारियल तुड़वाकर किया।

बात दे की चुनावी जनसभा में लोगो से किए गए वायदों पर विधायक बनने के बाद विकास कार्यों की शुरुआत कर दी है,गर्ग कालोनी पार्ट दो और जैन कालोनी में आज करीब 1 करोड़ 71 लाख की लागत से बनने वाली 34 गलियों को सीमेंटिड बनवाया जाएगा ।जबकि 15 गलियों को इंटरलॉकिंग टाइल्स से बनवाया जाएगा ।

उन्होंने कहा कि पहले बल्लभगढ़ की कालोनी में रहने वाले लोग विधायक से मलबे की मांग करते थे लेकिन अब सीमेंट्ड गलिया बनवाई जा रही हैं ।मूलभूत सुविधाओ को जनता तक पहुंचाने का काम भाजपा सरकार में किया गया है पहले लोग मीठे पानी के लिय

प्रदर्शन करते थे लेकिन आज मीठा पानी सीवर लाइन के साथ साथ पक्की गलियों का निर्माण कार्य करवाया गया है,उन्होंने स्थानीय निवासियों का तीसरी बार विधायक बनाने पर धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि मैं चुनावो में जनसंपर्क के दौरान कहता था की हरियाणा में भाजपा की सरकार बनेगी और नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बनेगे वो बात सच साबित प्रदेश की जनता ने की है । उसके लिए भी धन्यवाद व्यक्त किया।

इसके अलावा उन्होंने आदर्श नगर में मधु वाटिका के साथ वाले पॉकेट में टाइल्स से बनने वाली करीब 15 गलियों के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस कार्य पर करीब 61 लाख की लागत आएगी। इन सभी गलियाओ में सीवर लाइन और पानी की लाइन का काम भी पहले ही हो चुका है । आदर्श नगर मधु वाटिका के साथ वाली पॉकेट में आज विधायक पंश मूलचंद शर्मा ने करीब 15 गलियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास स्थानीय निवासियों के हाथो नारियल तुड़वाकर किया। जल्द ही ये सभी गलियां बनकर तैयार होंगी। इस मौके पर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम, टिपर चंद शर्मा, हर परसाद गौड़, राकेश गुर्जर, योगेश शर्मा, संजय शर्मा, बुद्धा सैनी, केशव भाटी, पारस जैन, लखन बेनीवाल, नवीन चेची, राजेन्द्र पहलवान, महावीर सैनी, कोशल शर्मा, सुभाष गौतम, नीरज दत्त, राजकुमार वर्मा, अभिषेक दीक्षित, दिनेश मुदगिल सतदेव शर्मा, जितेन्द्र बंसल, बृजलाल शर्मा, पीएल शर्मा सहित कालोनियों के बुजुर्ग और महिलाए भी मौजूद रहे।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें। नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खीचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ ंशिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बडा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी
'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3374

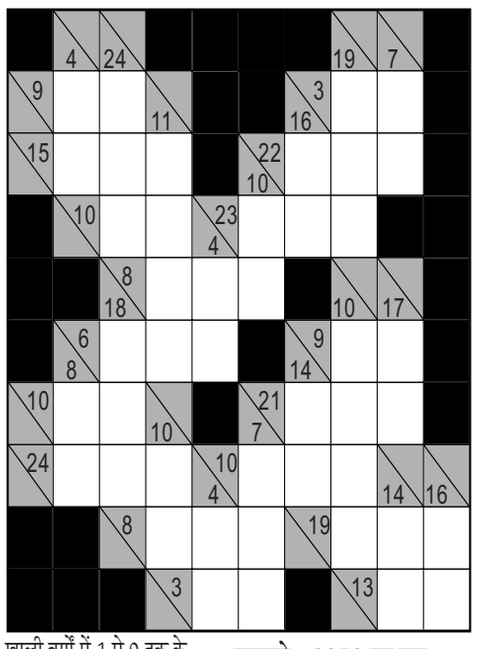

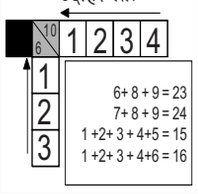

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3373 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.
'पांच सौ रुपये लगेंगे !'
'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'
'फिर ?'
'कोई सस्ता तरीका बताइए !'
'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'
'कृपया जल्दी बताइये !'
' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.
फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'
आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

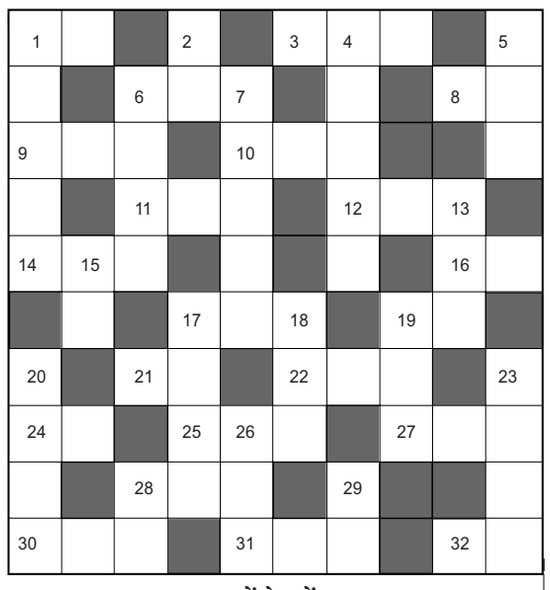

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''
उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''
प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3374

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू. रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3373

सूडोकु -3374

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3373 का हल

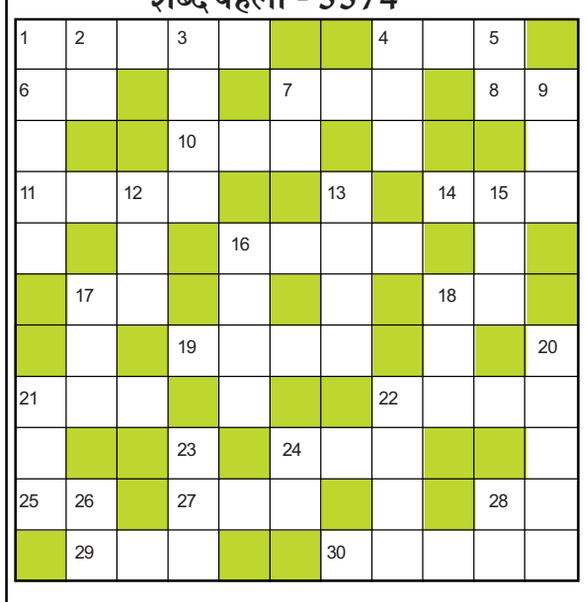

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3374

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -3373 का हल

पीएम विश्वकर्मा योजना के आवेदन पत्रों का दो सप्ताह में वेरिफिकेशन करें: डीसी

डीसी ने कहा, योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारी प्राथमिक रूप से करें कार्य

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

गुरुग्राम। डीसी अजय कुमार ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिला स्तरीय समिति की बैठक लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में की। उन्होंने योजना के आवेदन पत्रों का दो सप्ताह में सत्यापन कराने के निर्देश दिए। डीसी अजय कुमार ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत प्राप्त हुए आवेदन पत्रों का वेरिफिकेशन नगर निकाय तथा ग्राम स्तर पर यथाशीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन-जिन लोगों द्वारा आवेदन किया गया है उनका वेरिफिकेशन करके संबंधित विभाग को सूचित अवश्य किया जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है, इसलिए इस योजना के लिए सभी अधिकारी प्राथमिक रूप से कार्य करें। डीसी ने नगर निगम व पंचायत विभाग के अधिकारियों से कहा कि निकाय क्षेत्र में संबंधित स्टाफ तथा ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सचिव द्वारा वेरिफिकेशन के लिये चेकलिस्ट बना दें इस चेकलिस्ट के अनुसार सभी अधिकारी द्वारा दो सप्ताह में वेरीफिकेशन किया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा ने योजना के संबंध में अब तक कि प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना हाल ही में शुरू हुई है। जिसमें 9500 आवेदकों का दूसरे चरण का वेरिफिकेशन का कार्य किया जाना है। इसके बाद तीसरे स्तर का सत्यापन होगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पारम्परिक कारीगरों तथा शिल्पकारों को रोजगार मुहैया कराने के लिए यह योजना शुरू की गई है। योजना में बढ़ई(सुथार), नाव निर्माता, अस्त्र बनाने वाला, लोहार-हथौड़ा और टूलकिट निर्माता, ताला बनाने वाला, गोल्ड स्मिथ(सोनार), कुम्हार, मूर्तिकार(पत्थर तराशने एवं तोड़ने वाला), मोची (चर्मकार), जूता कारीगर, मेसन (राजमिस्त्री), टोकरी-झाड़ू निर्माता, जूट बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता(पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला, धोबी, दर्जी, मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला, कुल 18 विधाएं शामिल हैं।

इस दौरान बैठक में डोमेन विशेषज्ञ महेश यादव ने योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के तरीके और साधन भी सुझाए। इस अवसर पर बैठक में सीईओ जिला परिषद जगनिवास, एमएसएमई डीएफएओ करनाल के असिस्टेंट डायरेक्टर के सी मीणा व दिग्विजय सिंह, डोमेन एक्सपर्ट महेश यादव, सीपीओ महेंद्र सिंह, एलडीएम अशोक कुमार जुलाहा, एमएसएमई गुरुग्राम से आईईओ कैलाश चंद्र सहित योजना के क्रियान्वयन से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीसी अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक के कौशल में वृद्धि कर उसे आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई इस योजना में पंजीकरण के समय न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। आवेदक को योजना में शामिल विधाओं में से किसी एक का पारम्परिक शिल्पकार या कारीगर होना चाहिए। परिवार का एक ही व्यक्ति योजना का लाभ पा सकता है। चयनित लाभार्थी को 5-7 दिन का प्रशिक्षण, पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र, पहचान पत्र और 500 रुपये प्रति दिन की दर से मानदेय देना होगा। प्रशिक्षण पूरा हो जाने के बाद टूलकिट खरीदने के लिए 15 हजार रुपये का ई वाउचर भी मिलेगा।

पुलिस ने दो वाहन चोर दबोचे, जेल भेजे

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में अलग-अलग मामलों में वाहन चोरी के 2 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की। वहीं आरोपियों से पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थाना सराय ख्वाजा बबलू सिंह वासी शिव दुर्गा विहार लक्करपुर फरीदाबाद ने शिकायत में बताया कि वह अनंगपुर चौक पर दुकान पर काम है। 12 नवम्बर को करीब एक बजे दुकान बंद करके घर जा रहा था, रास्ते में मोटरसाइकिल से पैट्रोल खत्म हो गया। मोटरसाइकिल को सर्विस रोड खड़ा करके पैट्रोल लेने के लिए खाली बोतल ढूंढने लगा। वह थोड़ा आगे चला गया था, वापस लौट कर आया, तो मोटरसाइकिल नही मिली। जिस शिकायत पर थाना सराय खूवाजा में मामला दर्ज किया गया था। मामले में अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर के द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी आशीष कुमार उर्फ कृष्णा (19) वासी सूर्य विहार पार्ट-2 पल्ला को पल्ला पुल बाइपास रोड से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। वहीं दूसरे मामले में पुलिस चौकी टाउन नम्बर 2 में नीरज वासी एनआईटी ने दी शिकायत में बताया कि वह बिजली का काम करता है। वह 30 नवम्बर को अपनी मोटरसाइकिल को खड़ा करके नाहर सिंह स्टेडियम के साथ बने हुए ऐथ्लैटिक्स ग्राउंड में खाना खाने के लिए गया था, जब वह आया, तो मोटरसाइकिल नही मिली। इस संबंध में थाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया था। मामले में

कार्यवाही करते हुए अपराध शाखा टीम ने आरोपी छोटू उर्फ सोल्जर वासी जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद को हनुमान मन्दिर हुडा ग्राउंड सेक्टर- 48 एसजीएम नगर से मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पूर्व में स्नेचिंग और चोरी के 2 मामले दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।

गीता महोत्सव में 9 से 11 तक नजर आएगा कर्म, भक्ति और ज्ञान का संगम : उपायुक्त

तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव 2024 की तैयारियां जोरों पर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला मुख्यालय पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की श्रृंखला में एक बार फिर कर्म, भक्ति और ज्ञान का संगम 9 से 11 दिसंबर तक जिला स्तरीय गीता महोत्सव में नजर आएगा। जिला स्तर पर स्थानीय बस स्टैंड स्थित बाल भवन में 9 से 11 दिसंबर 2024 तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव के लिए प्रशासन की ओर से तैयारियां जोर शोर से पूरी की जा रही हैं जिसमें जिला की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि महोत्सव को गरिमामयी ढंग से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। गीता महोत्सव प्रेरणादायी होने के साथ-साथ भव्य और आकर्षक भी होगा। तीन दिन तक चलने वाले गीता महोत्सव के दौरान तीनों दिन विभिन्न विभागों व सामाजिक संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी के माध्यम से विभागों द्वारा सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों के अलावा स्थानीय लोक कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

उपायुक्त ने कहा कि गीता महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही तीन दिन के दौरान गीता पूजन हवन, सेमिनार का आयोजन होगा, जिसमें वक्ता श्रीमद्भागवत गीता के महत्व पर अपने व्याख्यान देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्कूली बच्चों द्वारा गीता का श्लोकोच्चारण किया जाएगा। इसके अलावा अंतिम दिन नगर शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें गीता पर आधारित झांकियां शामिल होंगी। नगर शोभा यात्रा में धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी गीता पर आधारित अपनी झांकी शामिल करेंगी। उन्होंने शहर की सभी धार्मिक, मन्दिर व सामाजिक संस्थाओं से गीता महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम भगवान श्रीकृष्ण लीला और गीता पर आधारित होंगे।

जिला वासी बनेंगे ग्लोबल श्लोकोच्चारण में भागीदार :

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि 11 दिसम्बर को जिला नूंह वासी एक साथ दोपहर 12 बजे से ग्लोबल श्लोकोच्चारण में भागीदार बनेंगे। उन्होंने बताया कि गीता महोत्सव के दौरान महोत्सव स्थल पर जहां विद्यार्थी श्लोकोच्चारण करते हुए गीता महोत्सव को गरिमामयी ढंग से मनाने में सहभागी बनेंगे वहीं जिला के सभी शिक्षण संस्थान से हर वर्ग इस पुनीत अभियान का हिस्सा बनेंगे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने आमजन से अपील की कि सभी जिलावासी स्थानीय बस स्टैंड स्थित बाल भवन में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय गीता महोत्सव में अधिक से अधिक भागीदारी करना सुनिश्चित करें और 11 दिसंबर को सभी ग्राम पंचायतों और जिलावासी शाम को अपने अपने घरों में दीपोत्सव उत्साह के साथ मनाएं। उपायुक्त ने कहा कि गीता महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समर्पण भाव से जिला प्रशासन का सहयोग करें।

नौकर ने रिटायर्ड जज और उसकी पत्नी को दिया जहर

जेवर और नकदी लेकर हुआ फरार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद में सेशन जज के नेपाली नौकर ने खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर जज और उनकी पत्नी को खिला दिया। जिसके बाद दोनों बेहोश हो गए, जिनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं नौकर बेहोश करने के बाद जेवर और नकदी लूट कर फरार हो गया। मामले की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थाना क्षेत्र एनआईटी में सेक्टर 21बी निवासी वीरेंद्र प्रसाद सेशन जज के पद से 30 सितंबर 2024 को रिटायर्ड हुए थे और 27 अक्टूबर से उपरोक्त पते पर रहते है। वीरेंद्र प्रसाद ने एक नेपाली नौकर राजू थापा रखा हुआ

था, जो शुक्रवार रात को नौकर राजू थापा ने जहरीला पदार्थ खाने में खिलाकर बेहोश करके घर में रखा हुआ कैश व जेवर और सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर निकाल कर ले गए हैं। फिलहाल दोनों वीरेंद्र प्रसाद व पत्नी बीना शर्मा निजी अस्पताल सेक्टर 21 में दाखिल है, दोनों की हालत अब ठीक बताई जा रही है। निजी अस्पताल में वीरेंद्र प्रसाद को होश आ गया हैं, जबकि पत्नी बीना शर्मा अभी बेहोशी की हालत में है। फिलहाल पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। मामले में थाना एनआईटी के प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों पति-पत्नी फरीदाबाद की एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। हालत खतरे से बाहर हैं। पीड़ित वीरेंद्र प्रसाद की शिकायत के आधार पर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपी को पकडने. के लिए क्राइम ब्रांच सहित तीन टीमों का गठन किया है। अनूप सिंह ने बताया कि कुछ महीने पहले नेपाली नौकर को उन्होंने नौकरी पर रखा था, टीम जांच में जुटी है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीटीपी ने बेसमैंट को किया सील, सीएम विंडो पर मिली शिकायत

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी सेक्टर 30-33 में प्लाट नंबर 160 की अगले हिस्से में बनी बेसमैंट को डीटीपी इन्फोर्समेंट विभाग ने सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायत के आधार पर शनिवार को सील कर दिया। अधिकारियों के अनुसार शिकायत में दावा किया गया था कि बेसमैंट में व्यवसायिक गतिविधियां संचालित हो रही है और इससे शिकायतकर्ता को जान-माल का खतरा है। शिकायत द्वारा विभाग को दी गई शिकायत के आधार पर नियमानुसार यह कार्रवाई की है। वहीं कार्रवाई से सेक्टर में विवाद भी खड़ा हो गया है। प्लाट नंबर 160 के पिछले हिस्से की बेसमैंट की मालकिन सुनंदा सूरी ने आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी द्वारा उनके खिलाफ बार-बार झूठी

शिकायतें विभाग में दी जा रही हैं। उनका आरोप है कि विभाग में शिकायत पड़ोसी की पत्नी के नाम से दर्ज की गई। शिकायतकर्ता महिला ने बेसमैंट में हो रही व्यवसायिक गतिविधियों का हवाला देते हुए अपनी जान का खतरा बताया है। जबकि बेसमैंट में सुनंदा सूरी द्वारा कोई व्यवसायिक गतिविधि नहीं की जा रही है। सुनंदा सूरी ने बताया कि शिकायतकर्ता खुद बिल्डिंग में नहीं रहते हैं और जान बूझकर ऐसी शिकायतें करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि झूठी शिकायतों से मेरा मानसिक उत्पीडन. हो रहा है और साथ ही अधिकारियों का कीमती समय भी नष्ट हो रहा है। उन्होंने सरकार और उच्च अधिकारियों से ऐसी झूठी शिकायतों के पीछे के कारणों की जांच की मांग की है। गौरतलब है कि इस मामले में कल प्लाट नंबर 160 और 159 की बेसमैंट को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन आज प्लाट नंबर 160 के अगले हिस्से की बेसमैंट को सील किया। डीटीपी विभाग के सचिन एटीपी इन्फोर्समेंट ने बताया कि बेसमैंट में चल रही व्यवसायिक गतिविधियों के संबंध में सीएम विंडो पर शिकायत मिली थी। उसी पर कार्रवाई करते हुए डीटीपी ने एक बेसमैंट को सील कर दिया है।

मानवाधिकार आयोग, संयुक्त राष्ट्र संघ का मौन चिंता नहीं चिंतन का विषय : बीआर भाटिया

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर 'हिंदू संगठन' 10 दिसंबर को विरोध जताएंगे

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। राष्ट्र रक्षा मंच के आह्वान पर हिंदूवादी संगठनों के हजारों प्रतिनिधि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरुद्ध 10 दिसंबर रोष व्यक्त करेंगे। विरोध प्रदर्शन के उपरांत राष्ट्रपति के नाम लिखा ज्ञापन जिला उपायुक्त को सौंपेंगे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की कड़ी भर्त्सना करने के लिए राष्ट्र रक्षा मंच के तत्वाधान में शहर के विभिन्न हिंदूवादी संगठन, सामाजिक-धार्मिक संगठन एवं आरडब्लूए के हजारों प्रतिनिधि शामिल होंगे। सिविल हॉस्पिटल, बल्लबगढ़ एवं ग्रेटर फरीदाबाद की सोसाइटी तीन स्थानों से समूह अपने अपने वाहनों से बैनर-पोस्टर, होर्डिंग के साथ निकलते हुए सेक्टर 12 सेंट्रल पार्क में एकत्रित होंगे। उसके उपरांत पंक्तिबद्ध होकर पैदल चलते हुए लघु सचिवालय के लिए रवाना होंगे। हाथों में पोस्टर, बैनर, होर्डिंग लेकर नारेबाजी करते हुए चलेंगे और जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेंगे। एनआईटी स्थित गोल्फ क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में उपरोक्त जानकारी देते हुए राष्ट्र रक्षा मंच के संयोजक बी.आर.भाटिया ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि जैसा की हम सभी को विदित है कि बांग्लादेश में विगत 05 अगस्त से हिंदुओं पर निरंतर अत्याचार हो रहे हैं। वहां हिंदू मंदिरों

एवं हिंदुओं पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। जिसपर मानवाधिकार आयोग, संयुक्त राष्ट्र संघ का मौन व्रत चिंता नहीं चिंतन का विषय है। जिसे लेकर समाज के प्रमुख लोगों में शामिल शहर के विभिन्न हिंदूवादी संगठन, सामाजिक-धार्मिक संगठन एवं आरडब्लूए प्रतिनिधि कड़ी भर्त्सना करते हैं। राष्ट्र रक्षा मंच के आह्वान पर सभी हिंदूवादी संगठन 10 दिसंबर को सुबह 11 बजे विरोध जुलूस निकालकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम लिखा ज्ञापन जिला उपायुक्त को सौंपेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में शहर के विभिन्न हिंदूवादी संगठन, सामाजिक-धार्मिक संगठन एवं आरडब्लूए के कई हजारों की संख्या में प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रेसवार्ता में पूर्व सैनिक परिषद हरियाणा के अध्यक्ष सेवानिवृत कर्नल गोपाल सिंह ने कहा कि विश्व कुटुंभ भाव रखने वाले भारत राष्ट्र के पड़ौसी देश बांग्लादेश में वहां के नागरिकों के साथ धर्म को आधार बनाकर व्यवहार किया जाना चिंता का विषय है। वहां हिंदुओ पर अत्याचार, उनके धार्मिक स्थलों पर आक्रमण पीड़ा पहुंचा रहे हैं। बांग्लादेश में कटटर पंथी सोच ने समाज में अराजकता की स्थिति उत्पन्न कर दी ही। जो की निंदनीय है। सभी को धर्म एवं राष्ट्र के प्रति एकजुटता दिखाने का समय है। इस अवसर पर स्वामी मुनि राज महाराज ने कहा कि राष्ट्र बचेगा तो हम बचेंगे। हम सभी राष्ट्र रक्षा मंच के साथ हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्र रक्षा, नागरिक सुरक्षा है। सनातनी किसी के विरोधी नहीं परंतु निर्दोष हिंदुओं का उत्पीडन. भी स्वीकार नहीं। उन्होंने बांग्लादेश सरकार को चेतावनी देते हुए कहा वह अविलंब अपना नैतिक एवं शासकीय दायित्व निभाते हुए निर्दोष हिंदुओं पर अत्याचार यथाशीघ्र बंद करे। समाजसेवी ओ.पी.धामा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा वह उचित नहीं हैं। सामाजिक सौहार्द अनिवार्य है। प्रेस वार्ता में राष्ट्र रक्षा मंच संयोजक बी.आर.भाटिया, स्वामी मुनी राज महाराज, सेवानिवृत कर्नल गोपाल सिंह, समाजसेवी ओ.पी. धामा, श्रीराम अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, राजकुमार वोहरा, अधिवक्ता दीपक ठुकराल, सीए विवेक सहित अन्य गणमान्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान के तहत बच्चों को आज 1576 बूथों पर दी जाएगी पोलियो की खुराक : डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में आज 8 दिसंबर रविवार से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हो रहा है। तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1576 बूथों पर शून्य से पांच वर्ष आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। जबकि अगले दो दिन 9 व 10 दिसंबर को स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चों को यह खुराक पिलाएंगे। डीसी अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि लगातार कड़ी मेहनत के कारण देश और हरियाणा पोलियो मुक्त बना हुआ है। लेकिन यह उल्लेख करना उचित होगा कि दुनिया के कई हिस्सों में अब भी पोलियो के मामले सामने आए है। इसलिए 8 दिसंबर को

रविवार को बूथ पर व अगले दो दिन घर-घर पिलाई जाएगी दवा, जिला में तीन दिनों में 3 लाख 97 हजार 265 बच्चों को दवा पिलाने का रखा गया लक्ष्य

अभियान के दौरान 0-5 वर्ष के सभी पात्र लाभार्थियों को कवर करना आवश्यक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त देश घोषित किया था। ऐसे में हम सभी की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम पूरी लगन व प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान में अपना शत प्रतिशत योगदान दें।

उन्होंने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी इस अभियान में शामिल होकर शून्य से पांच वर्ष की आयु के अपने व अपने परिचितों के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स जरूर पिलवाएं।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. जयप्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से शून्य से 5 वर्ष तक के 3 लाख 97 हजार 265 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 1576 बूथों का गठन किया गया है, 41 ट्रांजिट टीम, 161 मोबाइल टीम की ड्यूटी लगाई गई है। विभाग की तरफ से स्वास्थ्य केंद्रों के आसपास संवेदनशील क्षेत्रों को भी चिन्हित किया गया है, जहां पर स्वास्थ्य विभाग का विशेष फोकस रहेगा। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के 5500 कर्मचारी घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का काम करेंगे। इसके साथ ही जिला के विभिन्न चौक चौराहों व बाजारों आदि जगहों पर प्रशिक्षित टीका कर्मियों द्वारा वहां से गुजरने वाले सभी लक्षित बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी।

संपादकीय

विश्व का सिरमौर बन रहा है भारत

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्राय: लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अत: अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

जनवरी 2025 तक घोषित हो सकते हैं स्थानीय निकाय चुनाव

संभावित प्रत्याशियों ने शुरू किए चुनावी प्रयास

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। हरियाणा में शहरी एवं स्थानीय निकाय चुनाव जल्द करवाए जाने की संभावना बन गई है। प्रदेश सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में एक केस की सुनवाई के दौरान भरोसा दिलाया है कि चार जनवरी-2025 से पूर्व चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी जाएगी तथा चार फरवरी तक चुनाव संपन्न करा दिए जाएँगे। प्रदेश सरकार द्वारा हाई कोर्ट में दिलाए गए इस भरोसे पर यकीन करें तो राज्य में शहरी निकाय चुनाव की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि नियमों के अनुसार नए चुनाव छह महीने के भीतर होने चाहिए थे, लेकिन परिसीमन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाने के कारण इसमें देरी हुई है, यदि परिसीमन कार्य पूरा नहीं हुआ है, तो मौजूदा परिसीमन के अनुसार चुनाव कराए जाने हैं। स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा एक महीने के भीतर निश्चित रूप से कर दी जाएगी। इसके साथ ही राज्य में लंबित सभी नगर निकाय चुनाव चार फरवरी तक पूरे होने की उम्मीद है। ईधर नगरपालिका कनीना में परिसीमन करने के बाद एक वार्ड की बढौतरी की गई है। संभावित प्रत्याशियों ने अभी से चुनाव के प्रयास शुरू कर दिए हैं। कनीना में 13 के स्थान पर 14 वार्ड निर्धारित करने के बाद अब वार्ड मेम्बरों के आरक्षण की प्रक्रिया बीते समय पूरी की जा चुकी है। नपा सचिव समयपाल सिंह ने बताया कि वार्ड 8 एससी महिला के लिए,वार्ड 6एससी पुरुष के लिए, वार्ड 4 बीसी-ए वर्ग की महिला के लिए, वार्ड 3,7 व 12 सामान्य वर्ग की महिला के लिए आरक्षित किया गया है। नपा चेयरमैन पद का आरक्षण होना शेष है। इस प्रक्रिया को भी जल्द पूरा की जाने की संभावना है। निदेशक शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से 14 वार्डों का परिसीमन की ड्राफ्ट तैयार करने के बाद मतदाता सूचि अपडेट की जा रही है। 13 वार्डों की सूचि के मुताबिक कनीना में कुल 9626 मतदाता दर्शाए गए थे। जिनमें अब मतदाता बढने की उम्मीद है। जल्द ही मतदाता सूचि अपडेट करने का कार्य शुरू किया जा सकता है।

खेडी के ज्ञानगिरी आश्रम में हवन व भंडारा कल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बाबा ज्ञानगिरी के आश्रम खेडी में सोमवार, 9 दिसंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। शिवकुमार ने बताया कि खेडी-बाघोत रोड स्थित बरसावल बणी आश्रम में होने वाले इस समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को सुबह सवा आठ बजे हवन होगा तथा 10 बजे भंडारा प्रारंभ होगा। जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

न्यायालय भवन के शीघ्र निर्माण की मांग को लेकर वकीलों का धरना छठे दिन भी जारी

जब तक भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक जारी रहेगा धरना

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बीती 2 दिसंबर से बार एसोसिएशन द्वारा कनीना द्वारा वर्क सस्पेंड कर एसडीजेएम कोर्ट भवन के निर्माण की मांग को लेकर शुरू किया गया अनिश्चतकालीन धरना शनिवार को छठें दिन भी जारी रहा। इस संदर्भ में वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को चंडीगढ में अटेली हलके की विधायक एवं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से भी मिला था। जिन्होंने जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। इससे पूर्व उनका प्रतिनिधिमंडल जिला एवं सत्र न्यायधीश तथा जिला उपायुक्त से मिल चुका है। लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो सका है। अधिवक्ताओं ने कहा कि बिना कोर्ट भवन तथा वकीलों के चैंबर के उन्हें

परेशानी का सामना करना पड रहा है। सर्दी-गर्मी उन्हें टीनशैड के नीचे रहकर 'तपस्या' करनी पड रही है। भवन निर्माण की मांग को लेकर उनकी ओर से पहले भी सांकेतिक धरना दिया था। बार एसोसिएशन के प्रधान सुनील यादव ने बातया कि कनीना में 2016 में एसडीजेएम कोर्ट संचालित हुआ था। जिसे आज तक कोई उचित भवन नसीब नहीं हो सका है। महेंद्रगढ कोर्ट से करीब 3 हजार केस स्थानांतरित होकर कनीना न्यायालय आए थे। अब केसों की संख्या 7 हजार पंहुच गई है। जिनकी सुनवाई के लिए दो स्थाई तथा एक साप्ताहिक फेमिली कोर्ट संचालित की गई है। 8 वर्ष बाद भी यहां कोर्ट भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सका है। जिससे न्यायालय का कार्य प्रभावित हो रहा है वहीं वकीलों तथा क्लाईंटो को भी परेशानी का सामना करना पडता है। इस पर कनीना बार एसोसिएशन के अधिवक्ता उपस्थित थे।

शिक्षा के साथ-साथ खेलों का जीवन में अहम महत्व : असरू चेयरमैन

खेलों से देश और दुनिया में मेवात का नाम रोशन कर रहे मेवात के युवा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। शिक्षा के साथ-साथ जीवन में खेलों का हम महत्व है। इसलिए छात्रों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी ध्यान देना चाहिए। उक्त बातें तेड गांव के सरकारी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए पिनगवां पंचायत समिति के चेयरमैन असरूद्दीन तेडिया ने छात्र छात्राओं और लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि तेड गांव के स्कूल में बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का रिबन काटकर उद्घाटन करने का उन्हें अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने स्कूल के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी विशेष ध्यान रखें, ताकि वह अपना भविष्य खेलों में भी बना

सके। उन्होंने कहा कि आज मेवात के युवा खेलों में देश और दुनिया में मेवात का नाम रोशन कर रहे हैं और काफी पैसा कमा रहे हैं। इस दौरान पुनहाना खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि तेड गांव के सरकारी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में जिस तरह बच्चों खेलों में भाग ले रहे हैं उन्हें काफी खुशी हो रही है। उन्होंने पुनहाना खंड के सभी स्कूलों के अध्यापकों को कहा कि वह अपने-अपने स्कूल में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों पर विशेष्य ध्यान दें, ताकि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे खेलों में भी अपनी प्रतिभा को निखार सके। उन्होंने कहा कि मेवात से खेलों में आज काफी युवा देश और दुनिया में मेवात का नाम रोशन कर रहे हैं और हमें ज्यादा से ज्यादा मेवात से खिलाड़ियों को तैयार करना चाहिए, ताकि हर क्षेत्र में मेवात के युवा मेवात का नाम रोशन कर सके।

जिले में शिक्षा के प्रतिदिन प्रतिदिन अभिभावकों में उत्साह देखने को मिल रहा है : परमजीत सिंह चहल

खंड नूह के डीएवी पुलिस पबलिक स्कूल में मिशन बुनियाद और सुपर 100 के लिए अभिभावकों को किया जागरूक

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। शिक्षा विभाग द्वारा मिशन बुनियाद एवं सुपर 100 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पबलिक स्कूल में किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नूह की छात्राओं ने सरस्वती मां की वंदना के साथ की। वहीं आए हुए अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रामकिशन आर्य एवं धीरज कुमार ने बताया कि मिशन बुनियाद कार्यक्रम में खंड के सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी, उनके अभिभावक, विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य तथा विद्यालयों के अध्यापक शामिल हुए।आर्य ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाना व उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण की नींव डालना है। जिले में हैं चार मिशन बुनियाद केंद्र चल रहे है।

वहीं, जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत सिंह चहल ने कहा जिले में शिक्षा के प्रति दिन प्रतिदिन अभिभावकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। शिक्षा से ही इलाके का विकास संभव है। सभी पढ़ने वाले बच्चे यदि मेहनत करें तो उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि मेहनत ही सफलता की एकमात्र कुंजी है और मिशन बुनियाद कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अपने जीवन में आगे बढ़ाने के लिए उचित मार्गदर्शन व सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। इस कार्यक्रम में बच्चों को मिशन बुनियाद में पंजीकरण तथा परीक्षा के बारे में वीडियो के माध्यम से विस्तार से बताया गया।

जागरूकता कार्यक्रम से बैच 2025-27 के लिए विद्यार्थियों का चयन किया जाना है।विकल्प संस्थान की तरफ से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग दी जाती है। वहीं, शिक्षा विभाग मिशन बुनियाद में चयनित विद्यार्थियों को टैबलेट भी देता है, ताकि वे ऑनलाइन कोचिंग ले पाएं। इसके अलावा ड्रेस और किताबें भी विभाग की ओर से दी जाती हैं। चयनित विद्यार्थियों को केंद्र पर नेशनल टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन, किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन के तहत प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही बुनियाद कार्यक्रम में बच्चों को निशुल्क वर्दी, पाठ्य पुस्तकें, टैबलेट के साथ ही बुनियाद सेंटर तक आने जाने के लिए भत्ता भी दिया जाता है।

बुनियाद परीक्षा का शेड्यूल

प्रथम चरण की परीक्षा 24 दिसंबर
परीक्षा का परिणाम 20 जनवरी 2025
द्वितीय चरण की परीक्षा 28 जनवरी 2025
परीक्षा का परिणाम 7 फरवरी 2025
तृतीय चरण की परीक्षा 11 फरवरी 2025
परीक्षा का परिणाम 20 मार्च 2025
काउंसलिंग 25 मार्च 2025
नया बैच प्रारंभ 7 अप्रैल 2025

जिला में 8 से 10 दिसंबर तक दी जाएगी नौनिहालों को पोलियो की खुराक : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

अभिभावक बच्चो को अवश्य पिलवाएं दवा

स्वास्थ्य विभाग की ओर से 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 311732 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित

1090 बूथों पर घर घर जाकर 1262 टीमें पिलाएंगी पोलियो की खुराक

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिलावासियों का आह्वान करते हुए कहा है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को हर बार पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर इस बीमारी पर अपनी जीत को बरकरार रखें। उन्होंने कहा कि नेशनल पल्स पोलियो अभियान के दौरान 8 से 10 दिसंबर तक बच्चों को पोलियों की दवा पिलाई जायेगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त देश है। लेकिन पोलियो कुछ देशों में अभी भी है और फिर लौट सकता है। इसलिए अभिभावक अपने बच्चे की सुरक्षा में कोई चूक न होने दें। पोलियो की खुराक हर बार दिलाये। पोलियो पर देश की जीत बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने बताया कि

पोलियो एक संक्रामक रोग है जो पोलियो विषाणु से मुख्यत: छोटे बच्चों में होता है। यह बीमारी बच्चें के किसी भी अंग को जिन्दगी भर के लिये कमजोर कर देती है। बचाव ही इस बीमारी का एक मात्र उपाय है।

जिला में 311732 बच्चो को दवा पिलाने का लक्ष्य :

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि जिला में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित संख्या 311732 है। उन्होंने बताया कि लक्ष्य को पूरा करने के लिए 1090 बूथ, टीमें बनाई गई है। जिला में 106 ऐसे मौहल्ले गली व ढाणी है जो हाई रिस्क क्षेत्र में आते है। उन्होंने बताया कि लक्ष्य को पूरा कराने के लिए 483 सुपरवाइजर व 1262 टीमों का गठन किया गया है जिनमें 39 ट्रांजिस्टर टीम तथा 67 मोबाइल टीम का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में जनवरी 2010 के बाद से कोई पोलियो केस नहीं हुआ है और भारतवर्ष में जनवरी 2011 से पोलियो का कोई केस नहीं मिला है।

हरियाणा से पूरे देशभर में शुरू हुआ टीबी उन्मूलन अभियान: आरती सिंह राव

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में सामूहिक रूप से प्रयास किए जाएगें। स्वास्थ के क्षेत्र में यह नया अध्याय होगा। जिसके सकारात्मक परिणाम दिखाई देगें। इस बीमारी से निपटने की दिशा में गतिविधियों को मजबूत करने की दिशा में केंद्र एवं प्रदेश सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि टीबी उन्मूलन अभियान की शुरूआत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी द्वारा पंचकूला से की जाएगी। पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम से उनके द्वारा 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव सहित शासन-प्रशासन के लोग भी मौजूद रहेंगे। आरती सिंह राव ने बताया कि यह अभियान देश के 28 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में चलाया जाएगा। जिसके माध्यम से टीबी मरीजों की सघन टेकिंग की जाएगी। इस कार्यक्रम को टीबी के मामलों का पता लगाने तथा उपचार में होने वाली देरी को कम करने तथा उच्च जोखिम वाले समूहों, हाई रिस्क ग्रुप्स में उपचार के परिणामों में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिससे टीबी मरीजों का उपचार और अधिक आसान व सरल होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार आमजन को स्वास्थ्य परियोजनाओं तथा बेहतर सेवाओं को उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उनके घर-द्वार के नजदीक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत स्टाफ, अस्पताल भवन एंव उनमें उपलब्ध जरूरी उपकरणों की कमी को जल्द ही दूर किया जायेगा।

खेडी में आयोजित 4 दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन खिलाडियों ने दिखाया दम, टीमों में रहा कडा मुकाबला

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना उप मंडल के गांव खेडी में गोल्डन स्टार फुटबाल क्लब के संयोजन में आयोजित 4 दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को खिलाडियों ने जमकर अपना दम दिखाया। चेतक स्टेडियम में आयोजित इस फुटबॉल खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने तथा देखने के लिए दूर' दराज से दर्शक पंहुच रहे हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व निरीक्षक, सोमदत्त यादव ने बृहस्पतिवार को किया था। समारोह की अध्यक्षता फुटबॉल के एनआईएस कोच जसमेर सिंह ने की थी। जसमेर सिंह कोच ने बताया कि प्रतियोगिता में जीएससी खेडी ए तथा जीएससी बी, खोल, आसराका माजरा, वजीरपुर, खेडला, धनौंदा, बलंभा, प्रेमनगर, अजीतपुरा, जाटुलोहारी, बावल सहित 30 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का 8 दिसंबर को समापन होगा। उन्होंने बताया कि कनीना-दादरी मार्ग स्थित गांव खेडी तलवाना के चेतक खेल स्टेडियम में प्रतिवर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। चालू 'एक पंचायत' फुटबाल प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार तथा उप विजेता टीम को 41 हजार रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा सेमिफाइनल में पराजित होने वाली टीमों को 5100 रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। इस मौके पर पूर्व सरपंच सूबेसिंह, मोतीकुमार लाटा, राजकुमार कौशिक, रिसलदार जीत सिंह, ओमपाल सिंह, धर्मपाल, श्याम सिंह, अंकित,राजेश कुमार उपस्थित थे।

सिवानी की अनाज मंडी में रखी गई श्याम मंदिर की नींव

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। शहर के अनाज मंडी में समाजसेवी स्वर्गीय सुशील केडिया की याद में श्याम मंदिर की नई विधिवत रूप से शनिवार को रखी गई ।यह नींव केडिया परिवार की ओर से रखी गई । इस बारे में जानकारी देते हुए केडिया परिवार के प्रवक्ता संजय कुमार केडिया ने बताया अनाज मंडी प्रांगण में श्री राम मंदिर के साथ स्वर्गीय सुशील केडिया के पुत्र अमित केडिया व सुमित केडिया के हाथों से मंदिर की नींव केडिया परिवार की ओर से रखवाई गई । उन्होंने बताया कि वर्तमान में शहर में कोई भी श्याम मंदिर नहीं है और अनाज मंडी में अब श्री श्याम प्रभु खाटू वाले के मंदिर की नई विधिवत रूप से शनिवार के दिन पंडित भागीरथ शर्मा द्वारा पूजा अर्चना करवाने के बादं नींव रखवाई गई। इस मौके पर प्रमोद केडिया,जगदीश केडिया, महेन्द्र केडिया,नरेंद्र केडिया ,राम भगत बंसल ,रामनिवास तलवानी, मंडी प्रधान दीनदयाल बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

कहानी

शरारती बौना

किसी गांव में एक बौना रहता था जो बड़ा शरारती था। नाम उसका था टिप्सी। वह बड़ी हंसी-खुशी में अपना जीवन बिता रहा था, परन्तु उसे अपना नाम बिल्कुल पसंद नहीं था। वह समझता था उसका नाम बड़ा पुराना और घिसा-पिटा है। नाम तो नया होना ही चाहिए। वह अपने बड़े-बूढ़ों से प्राय: पूछता रहता कि- उसका नाम नाम टिप्सी क्यों रखा गया? कोई अच्छा सा नाम क्यों नहीं रखा गया? इसका कारण उसे कोई नहीं बता सका क्योंकि इसका कोई कारण था ही नहीं। सबने उसे यही समझाया कि बौनों के नाम पुराने ढंग के होते हैं और टिप्सी अच्छा नाम है। एक दिन टिप्सी को एक और बूढ़ा बौना मिला जिसे बस बौना सरदार कहते थे। टिप्सी को यह नाम बड़ा पसंद आया। जब टिप्सी ने उस बूढ़े से भी अपना प्रश्न दोहराया तो उसने भी वही उत्तर दिया जो दूसरे देते थे। तब टिप्सी उस बूढ़े बौने से बोला, तो फिर तुम अपना नाम मेरे नाम से बदल लो। बौने सरदार को टिप्सी की बदतमीजी पर बड़ा क्रोध आया। वह बोला तुम तुरन्त यह गांव छोड़कर जंगल में चले जाओ। एक वर्ष बाद जब तुम लौटोगे, तुम्हें पता होगा कि अपने से बड़ों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। टिप्सी को बौने सरदार की आज्ञा माननी पड़ी। टिप्सी बचपन से ही बड़ा ऊधमी था। उसने छोटे-मोटे जादू भी नहीं सीखे जो सब बौने जानते थे। टिप्सी जंगल में मारा-मारा फिरता। रात को उसे किसी पेड़ के नीचे सोना पड़ता। जंगली फल खाकर ही उसे पेटे भरना पड़ता। एक दिन उसे बड़ी सर्दी लग रही थी और वह भूखा भी था। खाने के लिए कुछ ढूंढते हुए वह घूम रहा था। उसे एक पेड़ के नीचे तीन सूखे काजूफल पड़े मिले।

भूख के मारे बेहाल टिप्सी ने जब तीन काजूफल देखे तो उसकी आंखें चमक उठीं। वह प्रसन्न था कि खाने को कुछ तो मिला। उसने गांव में बड़े-बूढ़ों को सूखे काजूफल के कड़े छिलके तोड़कर उसमें से गिरी निकालते देखा था। उसने एक काजूफल को लेकर उसे ठोका और फिर दबाया ताकि उसकी गिरी बाहर निकाल सके, परन्तु छिलका अलग नहीं हुआ। उसने फिर छिलके को जोर लगा कर ठोका, परन्तु बेकार। भूख के मारे उसकी जान निकली जा रही थी। उसने कस कर एक मुक्का उस पर मारा तो छिलका अलग नहीं हुआ। उसने बारी-बारी तीनों काजूफल के छिलके हटाने चाहे, परन्तु एक भी नहीं हटा। जब टिप्सी हाथ से काजूफाल के छिलके नहीं उतार सका तो वह उस पर पैर रख कूदा वह भी व्यर्थ रहा तब उसने बांस की छड़ी फंसा कर छिलका उतारना चाहा, परन्तु विफल रहा।

टिप्सी भूखा तो पहले ही था, अब बुरी तरह थक भी चुका था। काजूफल का छिलका तक न उतार पाने के कारण उसे अपने आप पर क्रोध आ रहा था। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और रोने लग। इसी बीच एक टिड्डा वहां से गुजरा। जब उसने टिप्सी को रोते हुए देखा तो इसका कारण पूछने लगा। टिप्सी रोते-रोते बोला- मुझे बिरादरी से निकाल दिया गया है। यहां न सोने का ठिकाना है, न कुछ खाने को मिलता है। ये तीन काजूफल हैं। इन्हें मैं तौड़ नहीं सकता।

टिड्डे ने क्षमा मांगी कि वह इस में टिप्सी की कोई सहायता नहीं कर सकता और अपने रास्ते हो लिया। पास ही खड़ी एक गिलहरी ने भी टिप्सी की बात सुनी।

गिलहरी को दु:खी टिप्सी पर दया आ गई। वह उसके पास आई और काजूफल के छिलके उतारने में उसकी सहायता करने का प्रस्ताव किया। गिलहरी की बात सुनकर टिप्सी का चेहरा खुशी से खिल उठा। उसने उसे यह कृपा करने की प्रार्थना की। गिलहरी ने तुरन्त अपने दांतों से कुतर-कुतर कर काजूफल के छिलके उतार दिए और गिरी निकाल कर टिप्सी को खाने के लिए दी। गिलहरी ने वृक्ष पर चढ़ कर ताजा काजूफल की गिरियां भी निकाल कर उसे पेट भर कर खिलाई। तब गिलहरी ने उसे वृक्ष पर बने अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया।

टिप्सी ने गिलहरी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया तथा पेड़ पर गिलहरी के मकान में बड़े मजे से रहने लगा। गिलहरी के घर में रहते-रहते, टिप्सी ने कई बातें सीखीं। उसने समझ लिया कि विनम्रता बहुत बड़ा गुण है। सभी से आदर से बात करनी चाहिए। तथा सबकी यथासंभव सहायता करनी चाहिए। जैसे कि गिलहरी ने उसकी की थी। गिलहरी ने उसे वृक्षों की भाषा भी सिखाई और पशु-पक्षियों की बोलियां भी। उसने टिप्सी को कई छोटे-मोटे जादू भी सिखाए जो उसने स्वयं वर्षों पूर्व सीखे थे, जब वह बौनों के बीच रहती थी।

जब टिप्सी को जंगल में रहते एक वर्ष पूरा हो गया तो वह बिलकुल बदल चुका था। उस एक वर्ष में उसमें बड़ी समझदारी आ चुकी थी। वह इतना विनम्र तथा शिष्ट हो चुका था कि गांव के दूसरे बौने उसे एक बुद्धिमान बौना मान कर उसका सम्मान करने लगे। अब वह शरारती टिप्सी नहीं रहा था।

क्या आप जानते हैं

अपने जाल में क्यों नहीं फँसती मकड़ी?

मक्खी के पेट से विशेष प्रकार की ग्रंथियों से निकलने वाले द्रव से जाला बनता है। मक्खी के शरीर के पिछले हिस्से में स्पिनेरेट नाम का अंग होता है जिसकी मदद से इस द्रव को पेट से बाहर निकालती है। हवा के संपर्क में आने पर पेट से बाहर निकाला जाने वाला द्रव सूखकर तंतु जैसा बन जाता है। इस तरह के तंतुओं से ही मक्खी का जाला बनता है। मक्खी के जाले में दो तरह के तंतु होते हैं। एक- सूखा जिससे जाले की फ्रेम बनती है। दूसरा- जिनसे बीच की रेखाएँ बनती हैं उसे स्पोस कहते हैं। स्पोस चिपचिपा होता है। जाले में चिपचिपे तंतुओं में ही चिपककर शिकार फँस जाता है और छूट नहीं पाता है। जब शिकार फँस जाता है तो मक्खी सूखे धागों पर चलती हुई शिकार तक पहुँचती है और इसलिए वह जाले में नहीं उलझती। वैसे मक्खी के शरीर पर तेल की एक विशेष परत भी चढ़ी होती है जिससे उसके जाले में फँसने का सवाल ही नहीं उठता।

पहेलियाँ ही पहेलियाँ

तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी,
न भाड़ा न किराया दूँगी,
घर के हर कमरे में रहूँगी,
पकड़ न मुझको तुम पाओगे,
मेरे बिन तुम न रह पाओगे,
बताओ मैं कौन हूँ?

गर्मी में तुम मुझको खाते,
मुझको पीना हरदम चाहते,
मुझसे प्यार बहुत करते हो,
पर भाप बनूँ तो डरते भी हो।

मुझमें भार सदा ही रहता,
जगह घेरना मुझको आता,
हर वस्तु से गहरा रिश्ता,
हर जगह मैं पाया जाता।

ऊपर से नीचे बहता हूँ,
हर बर्तन को अपनाता हूँ,
देखो मुझको गिरा न देना
वरना कठिन हो जाएगा भरना।

लोहा खींचू ऐसी ताकत है,
पर रबड़ मुझे हराता है,
खोई सूई मैं पा लेता हूँ,
मेरा खेल निराला है।

उत्तर : १. हवा २. पानी ३. गैस ४. द्रव्य ५. चुंबक

चमत्कारी होते हैं पिरामिड

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरों गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र गहनें, बर्तन वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था।

भारत की तरह ही मिस्र की संभ्यता भी बहुत पुरानी है और प्राचीन सभ्यता के अवशेष वहां की गौरव गाथा कहते हैं। यों तो मिस्र 138 पिरामिड हैं और काहिरा के उपनगर गीजा में तीन लेकिन सामान्य विश्वास के विपरीत सिर्फ गिजा का ग्रेट पिरामिड ही प्राचीन विश्व के सात अजूबों की सूची में है। दुनिया के सात प्राचीन आश्चर्यों में शेष यही एकमात्र ऐसा स्मारक है जिसे काल प्रवाह भी खत्म नहीं कर सका। यह पिरामिड 450 फुट ऊंचा है कि जोड़ों में एक ब्लेड भी नहीं घुसायी जा सकती। मिस्र के पिरामिडों के निर्माण में कई खगोलीय आधार भी पाये गये हैं, जैसे कि तीनों पिरामिड आरियन राशि के तीन तारों की सीध में हैं। वर्षों से वैज्ञानिक इन पिरामिडों का रहस्य जानने के प्रयत्नों में लगे हैं किन्तु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

कुछ लोग पिरामिडों में स्थित जादुई असर की बात भी कहते हैं तो है। 43 सदियों तक यह दुनिया की सबसे ऊंची संरचना रहा। 19वीं सदी में ही इसकी ऊंचाई की कीर्तिमान टूटा। इसका आधार 13 एकड़ में फैला है जो करीब 16 फुटबॉल मैदानों जितना है। यह 25 लाख चूनात्थरों के खंडों से निर्मित है जिनमें से हर एक का वजन 2 से 30 टनों के बीच है। ग्रेट पिरामिड को इतनी परिशुद्धता से बनाया गया है कि वर्तमान तकनीक ऐसी कृति को दोहरा नहीं सकती है। कुछ साल पहले तक वैज्ञानिक इसकी सूक्ष्म सममिति का पता नहीं लगा पाये थे, प्रतिरूप बनाने की तो बात ही दूरा प्रमाण बताते हैं कि इसका निर्माण करीब 2560 वर्ष ईसा पूर्व मिस्र के शासक खुफु के चौथे वंश द्वारा अपनी कब्र के तौर पर कराया गया था। इसे बनाने में करीब 23 साल लगे।

मिस्र के इस महान पिरामिड को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि बिना मशीनों के बिना आधनिक औजारों के मिस्रवासियों ने कैसे विशाल पाषाणखंडों को 450 फीट ऊंचे पहुंचाया और इस बृहत परियोजना को महज 23 वर्षों में पूरा किया? पिरामिड मर्मज इवान हैडिंगटन ने गणना कर हिसाब लगाया कि यदि ऐसा हुआ तो इसके लिए दर्जनों श्रमिकों को साल के 365 दिनों में हर दिन 10 घंटे के काम के दौरान हर दूसरे मिनट में एक प्रस्तर खंड को रखना होगा। क्या ऐसा संभव था? विशाल श्रमशक्ति के अलावा क्या प्राचीन मिस्रवासियों को सूक्ष्म गणितीय और खगोलीय ज्ञान रहा होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक पिरामिड के बाहर पाषाण खंडों को इतनी कुशलता से तराशा और फिट किया गया।

रोचक तथ्य

- *ग्रेट पिरामिड एक पाषाण-कम्प्यूटर जैसा है। यदि इसके किनारों की लंबाई, ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो पृथ्वी से संबंधित भिन्न-भिन्न चीजों की सटीक गणना की जा सकती है।*
- *ग्रेट पिरामिड में पत्थरों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है कि इसके भीतर का तापमान हमेशा स्थिर और पृथ्वी के औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के बराबर रहता है। यदि इसके पत्थरों को 30 सेंटीमीटर मोटे टुकड़ों में काट दिया जाए तो इनसे फ्रांस के चारों ओर एक मीटर ऊंची दीवार बन सकती है।*
- *पिरामिड में नींव के चारों कोने के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गये हैं ताकि ऊष्मा से होने वाले प्रसार और भूंकप से सुरक्षित रहे।*
- *मिस्रवासी पिरामिड का इस्तेमाल वेद्यशाला, कैलेंडर, सनडायल और सूर्य की प्ररिक्रमा में पृथ्वी की गति था प्रकाश के वेग को जानने के लिए करते थे।*
- *पिरामिड को गणित की जन्मकुंडली भी कहा जाता है जिससे भविष्य की गणना की जा सकती है।*

कहानी

बूढ़ा जादूगर

किसी गांव के बाहर बनी झोंपड़ी में एक बूढ़ा आदमी रहता था। वह थोड़ा-बहुत जादू भी जानता था। गांव से बाहर रहने का कारण यह था कि उसे भीड़-भाड़ से घबराहट होती थी। अपना गुजारा चलाने के लिए वह आस-पास की जमीन पर गेहूं तथा सब्जियां उगा लेता था। उसने कुछ मुर्गियां भी पाल रखी थीं और एक बकरी उसके पास थी जिसका दूध उसके लिए काफी होता था। एक बार ऐसा हुआ कि बरसात के मौसम में वर्षा बिल्कुल ना हुई। वर्षा न होने के कारण गांव वाले बड़े चिंतित हुए क्योंकि पानी का और कोई प्रबंधन न होने से उनकी फस्लें सूख जाने का भय था। परन्तु बूढ़े को इसकी कोई चिंता ना थी। उसके खेत के पास से एक पहाड़ी नाला बहता था जिसका पानी उस की फसलों के लिए काफी था। उसे वर्षा के पानी पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। जब गांव वालों ने देखा कि वर्षा होने की संभावना नहीं तो उन्होंने बूढ़े जादूगर के पास जाने का फैसला किया। वे जानते थे कि अपनी युवावस्था में वह किसी जादूगर के सहायक के रूप में काम कर चुका था। उन्हें आशा थी कि वह वर्षा लाने वाला नृत्य जानता होगा। अत: वे उसके पास गए तथा उससे पूछा कि क्या वह वर्षा-नृत्य जानता है।

वर्षा-नृत्य मैंने अपनी जवानी में सीखा तो था बूढ़े जादूगर ने उत्तर दिया।

क्या तुम वर्षा लाकर हमारी सहायता करोगे? तुम्हें पता ही है कि अभी तक वर्षा नहीं हुई और जल्दी ही वर्षा होने की कोई आशा प्रतीत नहीं होती। यदि जल्दी ही पानी नहीं मिला तो हमारी फस्लें सूख कर बर्बाद हो जाएंगी। हम सब भूखों मर जाएंगे। गांव वालों ने बड़ी आशा केसाथ बूढ़े जादूगर से प्रार्थना की। बूढ़ा आदमी खुश था कि गांव वालों ने उसे बहुत महत्व दिया था। वह वर्षा लाने के लिए नृत्य करने पहाड़ी पर गया। वर्षा-नृत्य करना कोई आसान काम नहीं था।

परन्तु बूढ़े जादूगर ने गांव वालों की भलाई के लिए उसे करने का दृढ़ निश्चय कर लिया। पहाड़ी की चोटी पर चढ़ बूढ़ा जादूगर नाचने लगा तथा ऊंचे-ऊंचे मंत्र पढ़ने लगा, ऐ वर्षा तथा बादलों के देवता मैं तुम्हारा आव्हान करता हूं। सुनो.. बिजली चमकाओं, बिजली कड़काओं बादल भेजो वर्षा करों वर्षा करों। इस मंत्र को याद करके पढ़ना बूढ़े जादूगर के लिए बड़ा कठिन सिद्ध हो रहा था। उसे पढ़े हुए बूढ़े को वर्षों बीत चुके थे तथा उसके शब्दों उच्चारण ठीक कम से करने से ही वर्षा हो सकती थी। और फिर उसे बहुत ऊंचे स्वर में पढ़ना था। तेजी के साथ नृत्य भी करना था। वह बार-बार उस मंत्र को पढ़ता रहा तथा नाचता रहा। कुछ देर के बाद वर्षा होने लगी। बूढ़ा निढाल- सा वापस लौटा। गांव वालों ने बूढ़े को धन्यवाद दिया। चौबीस घंटे तक जमकर वर्षा होती रही। जब वर्षा थमी तो खेतों में खड़ी फसलों को भरपूर पानी मिल चुका था। हर कोई बड़ा प्रसन्न था।

अल्लू अर्जुन ने रेवती की मौत पर दुख जताया और कहा- परिवार की हर संभव मदद करुंगा

-महिला के परिवार से मिलने और 25 लाख का मुआबजा देने की कही बात

मुंबई। हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई और एक बच्चा बेहोश हो गया। इस मामले में अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा एजेंसी और थिएटर के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। अब मामले पर अल्लू अर्जुन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वीडियो शेयर कर जान गंवाने वाली महिला रेवती की मौत पर दुख जताया है। साथ ही अभिनेता ने इलाज का खर्च उठाने की भी जिम्मेदारी ली है। वीडियो में वह कह रहे हैं कि महिला के परिवार से मैं खुद जाकर मिलूंगा। अल्लू ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में महिला के परिवार वाले अकेले नहीं हैं। वह उनके साथ खड़े हैं। अल्लू अर्जुन ने कहा है कि उन लोगों के लिए उनसे जो कुछ भी हो पाएगा, वह करुंगा। अल्लू ने कहा कि वह मृत महिला के परिवार को 25 लाख का मुआवजा दूंगा। साथ ही इलाज और दवाइयों का सारा खर्च उठाएंगे। मृत महिला के पति मोगादमपल्ली भास्कर ने बातचीत में अल्लू को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। भास्कर ने कहा कि अगर अल्लू और उनकी टीम बताकर थिएटर आते तब न तब उसकी पत्नी की मौत होती और ना ही बेटे की ऐसी हालत होती। भास्कर ने बताया कि बेटे की जिद के कारण वह फिल्म देखने गया था क्योंकि वह अल्लू अर्जुन का फैन है।

जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का हुआ ऐलान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में शीतकालीन छुट्टियों का ऐलान किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने कश्मीर संभाग के शीतकालीन जोनों में क्रमशः 10 और 16 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से शीतकालीन अवकाश की घोषणा की है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव सुरेश कुमार गुप्ता के अनुसार आदेश में कहा गया है कि 5वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 10 दिसंबर से 28 फरवरी तक और 6वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक रहेंगी। गुप्ता ने आदेश दिया कि सरकारी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षण स्टाफ 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए 10 फरवरी, 2025 से संबंधित मुख्यालयों पर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक छुट्टियों के दौरान छात्रों को ऑनलाइन मार्गदर्शन देते रहे।

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर गव.. उद्धव के करीबी की पोस्ट, एमवीए से बाहर हुई सपा

मुंबई । समाजवादी पार्टी (सपा) ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से अलग होने की घोषणा कर दी है। यह निर्णय शिवसेना (यूबीटी) के नेता और उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस का समर्थन कर पोस्ट के बाद आया है। दरअसल नार्वेकर ने सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का कथन भी शामिल था, जिसमें उन्होंने कहा था, मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने ऐसा किया। इस पोस्ट के साथ उद्धव और आदित्य ठाकरे की तस्वीरें भी थीं। इसके अलावा, शिवसेना (यूबीटी) ने एक समाचार पत्र में विज्ञापन दिया था, जिसमें बाबरी विध्वंस की तारीफ की गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने कड़ा विरोध जताकर कहा कि अगर एमवीए में ऐसी भाषा इस्तेमाल होती है, तब भाजपा और उनमें क्या फर्क है? हमें इसतरह के गठबंधन में क्यों रहना चाहिए? उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से चर्चा कर रहे हैं और एमवीए से अलग होने का फैसला पक्का है। वहीं एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, और एनसीपी का शरद पवार गुट शामिल है। सपा का यह कदम एमवीए के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है, खासकर उस समय में जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही कई आंतरिक विवादों और भाजपा के दबदबे के कारण मुश्किल दौर से गुजर रही है।

पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट से बड़ी राहत... 28 माह बाद जेल से आएंगी बाहर

रांची । झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट ने बड़ी राहत देकर जमानत दे दी है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 11 मई 2022 को गिरफ्तारी के बाद से वे 28 माह से जेल में थीं। कोर्ट ने उन्हें दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। साथ ही पूजा को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी आदेश दिया गया है। पूजा सिंघल का मामला- पूजा सिंघल झारखंड कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी हैं। वह झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) की चेयरमैन और उद्योग व खान सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग और मनरेगा घोटाले से जुड़े आरोपों के चलते ईडी ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि खूंटी में डीसी रहते हुए उन्होंने घोटाले में अपनी भूमिका निभाई।

क्या है मनरेगा घोटाला?

यह मामला झारखंड के खूंटी जिले में मनरेगा फंड में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। 2009-2010 के दौरान, जब पूजा खूंटी में उपायुक्त थीं, घोटाले के आरोप लगे। ईडी ने मामले की जांच के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा किया। आरोप है कि पूजा और उनके करीबी सहयोगियों के द्वारा धन का दुरुपयोग किया गया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 73 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर शुक्रवार को सीमा शुल्क विभाग ने 73 लाख रुपये का विदेशी सोना बरामद किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी इंदौर से दिल्ली आ रहा था। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक, आरोपी के सामान की जांच के दौरान संदिग्ध वस्तुएं मिली, जिसमें पीली धातु के 13 टुकड़े थे।

शाही इमाम बुखारी की पीएम मोदी से अपील, मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करें

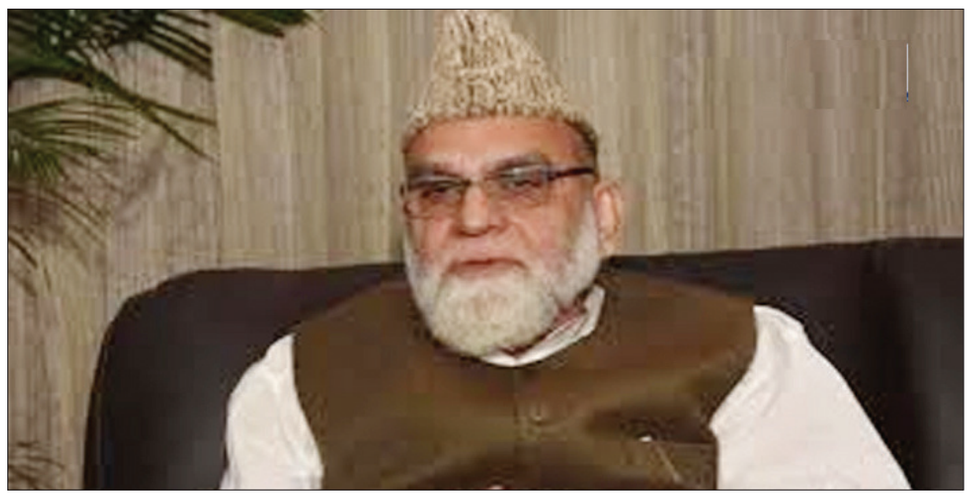

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज के दौरान देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की। इस दौरान बुखारी भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने की बात की। उन्होंने कहा, हम 1947 से भी बदतर स्थिति में खड़े हैं। किसी को नहीं पता कि देश भविष्य में किस दिशा में जाएगा।

बुखारी ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि तीन हिंदुओं और तीन मुसलमानों को बुलाकर चर्चा करे। उन्होंने कहा, आप उस कुर्सी के साथ न्याय कीजिए जिस पर आप बैठे हैं। मुसलमानों का दिल जीतिए। उन उपद्रवियों को रोकिए जो देश का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने मुस्लिम युवाओं से धैर्य बनाकर रखने का अनुरोध कर कहा कि कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यह अपील उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद आई है।

बता दें कि 19 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वेक्षण हुआ। एक याचिका में दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था। इसके बाद से संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बुखारी ने कहा, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने हमें बताया है कि दिल्ली जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन मोदी सरकार को संभल, अजमेर और अन्य जगहों पर हो रहे सर्वेक्षणों पर गंभीरता से सोचना चाहिए। ये चीजें देश के लिए अच्छी नहीं हैं। हाल ही में राजस्थान की अदालत में याचिका दायर की गई है जिसमें दावा किया गया है, कि अजमेर शरीफ दरगाह शिव मंदिर पर बनी है। इस याचिका को स्वीकार कर अजमेर की अदालत ने एएसआई, अजमेर दरगाह कमेटी और अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्रालय को नोटिस जारी किया है।

बांग्लादेश मामले पर मायावती का बड़ा हमला, सिर्फ मुस्लिम वोटों की खातिर चुप हैं कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिंदू दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में विशेष रूप से दलित और कमजोर वर्ग के हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप साधे हुए है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोटों के खातिर ऐसा कर रही है, जबकि बांग्लादेशी हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर उन्हें आवाज उठानी चाहिए थी। मायावती ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताकर कहा कि इन दलों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने मोदी सरकार से अपील कर कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बांग्लादेशी दलितों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें भारत में लाने के लिए उचित कदम उठाए। इस बीच, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र में हिंदू रैली आयोजित करने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना था कि इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं और भारत के हिंदू उनके समर्थन में खड़े हैं। राणे ने कहा, हम हिंदू बनकर सड़कों पर उतरकर और अपनी ताकत दिखाएंगे। यह रैली बांग्लादेशी हिंदुओं को अत्याचार के खिलाफ हमारा समर्थन दिखाने के लिए है।

बारिश के आसार, दिल्ली समेत आस-पास क्षेत्रों में बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में सर्दियों की पहली बारिश का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 8 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंड में इजाफा होगा। बारिश के बाद न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है, जबकि न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा है। हवा में नमी का स्तर 32 से 90 प्रतिशत तक रहा। शनिवार को सुबह के समय स्मॉग छाने के साथ ही 8 दिसंबर को संभावित बारिश के बाद 9 दिसंबर से मौसम साफ होने की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ने लगेगी। अनुमान है कि 9 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक गिर सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की उम्मीद है। 10 और 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम 23-24 डिग्री के बीच रह सकता है।

यहां बताते चलें कि इस सीजन में कोहरा छाना जल्दी शुरू हुआ है। नवंबर में 17 से 20 तारीख तक घना कोहरा देखा गया था, जबकि 8 से 11 दिसंबर तक मध्यम कोहरे की संभावना व्यक्त की गई है। विजिबिलिटी कम होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। दिसंबर और जनवरी में भी कोहरे के कई स्पेल देखने को मिल सकते हैं। बहरहाल बारिश होने पर दिल्ली समेत आस-पास के इलाकों में ठंड बढ़ने के आसार हैं।

महाराष्ट्र में नया गेम: अजित पवार ने दिखाया पावर गेम, शरद पवार को लग सकता है झटका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अब बीएमसी चुनाव को लेकर राजनैतिक दल कमर कसने लगे हैं। यहां अभी से अपने अपने दांव लगाने के लिए अपनी जमीन तैयार करने में लगे हैं। चर्चा शुरू हो गई है कि जलगांव के पूर्व संरक्षक मंत्री और शरद पवार के करीबी नेता गुलाबराव देवकर शरद पवार समूह छोड़ने की कगार पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि गुलाबराव देवकर अजित पवार के गुट में जा रहे हैं। शरद पवार गुट के नेता पूर्व संरक्षक मंत्री गुलाबराव देवकर ने जानकारी दी है कि एनसीपी अजित पवार गुट जल्द ही एनसीपी अजित पवार गुट में शामिल होगा। गुलाबराव देवकर ने प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे से मुलाकात की। इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि इस मुलाकात के बाद चर्चा है कि वह शरद पवार गुट छोड़ने वाले हैं।

इसलिए आगामी स्थानीय स्वशासन चुनाव से पहले इसे एनसीपी शरद पवार गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं अगर ऐसा होता है तो उत्तर महाराष्ट्र में अजित पवार के गुट की ताकत बढ़ेगी। विधानसभा चुनाव में जलगांव ग्रामीण सीट पर गुलाबराव पाटिल और गुलाबराव देवकर के बीच कड़ी टक्कर थी। गुलबाराव पाटिल ने जलगांव ग्रामीण सीट से लगातार दूसरी बार बड़े वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। 2019 के विधानसभा चुनाव में गुलाबराव रघुनाथ पाटिल ने भी जीत हासिल की। 2024 के चुनाव में दोनों गुलाबरावों के बीच कांटे की टक्कर थी। लेकिन गुलाबराव पाटिल लगातार दूसरी बार भारी मतों के अंतर से जीते।

जबकि बता दें कि यहां विधानसभा चुनाव हो भी गया और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री भी बन गए. लेकिन बीएमसी चुनाव अभी बाकी है और इसके लिए खेल भी शुरू हो गया है। महायुति को राज्य में खूब वोट मिले। 5 दिसंबर को महागठबंधन में देवेंद्र फड़णवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब राज्य में तीन दिवसीय सम्मेलन होगा। इस विधानसभा चुनाव के बाद निर्वाचित 288 उम्मीदवारों को प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलमकर शपथ दिलाएंगे।

छात्रों पर लाठीचार्ज, नीतिश सरकार की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई : तेजस्वी यादव

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने को प्रशासन की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई बताकर निंदा की है। उन्होंने कहा कि पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज हुआ है, जो भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)-नीतीश सरकार के अहंकार और तानाशाही का प्रतीक है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री 225 करोड़ की तथाकथित दिखावटी 'संवाद यात्रा पर निकलने से पहले यह जवाब दें कि क्या बिहार के वर्तमान व भविष्य, बिहार के छात्रों से संवाद स्थापित करना उनके एवं उनकी सरकार के लिए कठिन है? क्या आयोग द्वारा स्पष्टीकरण देना उनकी शान के खिलाफ है? क्या सर्वर की खामी को स्वीकारते हुए फॉर्म भरने के मौका को पुनः उपलब्ध करवाना असंभव है? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि क्या पेपरलीक एवं कदाचार मुक्त परीक्षा की मांग करना अनुचित है? आयोग व बिहार की नीतिश सरकार के रुख को देख क्या अभ्यर्थी यह मान लें कि यह परीक्षा औपचारिकता मात्र रह गई है। बता दें कि बिहार लोक सेवा अयोग (बीपीएससी) की 70वीं सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन के विरोध में बीपीएससी कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

दिल्ली के शीर्ष पद पर वैंकेसी नहीं, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश

*** ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता नकवी का तंज**

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, सत्ता के शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं है, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। दरअसल ममता के विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को समर्थन देने वाले बयान पर नकवी ने कहा, उन लोगों को अच्छी तरह पता है कि दिल्ली की सत्ता के शीर्ष के लिए कई दशकों तक कोई वैकेंसी नहीं आने वाली है। लेकिन अगर विपक्षी महागठबंधन की बात की जाएं तब खानदान अनेक हैं, लेकिन उनकी ख्वाहिशें एक हैं। उन्हें सत्ता की शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं दिख रही है, इसलिए कोशिश में लगे हैं कि गठबंधन के शीर्ष पर ही पहुंच जाओ।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने आरोप लगाया है कि उनके फोन और लैपटॉप को हैक करने की कोशिश हुई है। इस पर नकवी ने कहा, गुरु नंबरी तब चेला दस नंबरी। ये वे लोग हैं, जिन्हें सपनो में भी जासूसी नजर आती है। किसानों की मांगों को लेकर विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के सवाल पर नकवी ने कहा, पिटी हुई पटकथा पर परिवार का प्रायोजित पॉलिटिकल पाखंड समय-समय पर चलता रहता है। उनके इस पाखंड को जनता बार-बार परास्त करती है। वहीं, जहां तक किसानों की बात है कि पीएम मोदी की सरकार 2014 से आज तक मेरा गांव मेरा देश, मेरा खेत मेरा खलिहान, मेरी कृषि मेरा कृषक इन सभी को प्राथमिकता देकर काम कर रही है।

ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद को बताया गया कि मोदी सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लिखित उत्तर में बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड ग्रामीण क्षेत्रों के अनौपचारिक श्रमिकों की संख्या 1 दिसबंर तक 27.22 करोड़ है। मंत्रालय ने आधार से जुड़े असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू) का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए 26 अगस्त, 2021 को ई-श्रम पोर्टल लंच किया था। ई-श्रम पोर्टल का मकसद असंगठित श्रमिकों को उनकी खुद की घोषणा के आधार पर एक यूनिवर्सल खाता संख्या (यूएएन) प्रदान कर उन्हें रजिस्टर और सपोर्ट करना है। ई-श्रम पर रजिस्ट्रेशन के लिए श्रमिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल हो रहा है। मंत्रालय के अनुसार, असंगठित श्रमिकों को रजिस्ट्रेशन में मदद करने के लिए राज्य सेवा केंद्रों (एसएसके) और कॉमन सर्विस सेंटर की सेवाओं को शामिल किया गया है।

श्रमिकों तक पहुंच बढ़ाने और उन्हें रजिस्ट्रेशन/अपडेट की सुविधा उनके मोबाइल फोन पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उमंग एप पर ई-श्रम पोर्टल को शामिल किया गया है। अब तक, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाओं को पहले ही ई-श्रम पोर्टल के साथ इंटीग्रेट या मैप किया जा चुका है। केंद्रीय बजट 2024-25 के अनुसार, अन्य सरकारी वेबसाइटों के साथ ई-श्रम पोर्टल का इंटीग्रेशन 'वन-स्टॉप-सॉल्यूशन' की सुविधा प्रदान करेगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने असंगठित श्रमिकों को जल्द से जल्द ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय आदि जैसे अन्य मंत्रालयों से भी संपर्क किया है।

आशंका- भारतीय सीमाओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं पाकिस्तान और बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के नागरिकों के लिए वीजा नियमों में ढील देने का फैसला लिया है। इसके तहत अब पाकिस्तानियों को बांग्लादेश में यात्रा के लिए सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, जो पहले आवश्यक थी। बांग्लादेश सरकार ने 2019 में सुरक्षा कारणों से एक आदेश जारी किया था, जिसमें पाकिस्तानी नागरिकों को बांग्लादेश में प्रवेश करने के लिए वीजा प्राप्त करने से पहले अनापत्ति मंजूरी प्राप्त करनी होती थी। लेकिन अब यूनुस सरकार ने इसे पलट दिया है। इस कदम के परिणामस्वरूप, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में तेजी से नजदीकियां बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसे लेकर भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर एक नई सुरक्षा चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों पर गहरी नजर रखनी चाहिए। बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी का भारत की सुरक्षा नीति पर प्रभाव पड़ सकता है, खासकर यदि इस पर आतंकवाद या कट्टरपंथी गतिविधियों का असर होता है। ऐसे में भारत को किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अपने सुरक्षा इंतजामों को और भी मजबूत करना होगा और बांग्लादेश की सीमाओं के पास निगरानी को बढ़ाना होगा। भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नए राजनीतिक बदलाव के मद्देनजर क्षेत्रीय सुरक्षा को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी भी बाहरी तत्व के लिए भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का रास्ता बंद किया जाए, ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखी जा सके। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बढ़ते कूटनीतिक संबंध भारत के लिए एक नई चुनौती बन सकते हैं। हालाँकि, दोनों देशों के बीच सहयोग का कोई स्पष्ट और तत्काल सैन्य खतरा तो नहीं है, लेकिन यह स्थिति आतंकवाद और कट्टरपंथी गतिविधियों के जरिए भारत के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। ऐसे में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव कर इस बदलाव पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक रिश्तों में हाल ही में आई बदलावों को लेकर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। खासकर, बांग्लादेश में नए अंतरिम सरकार के गठन के बाद से दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए एक सुरक्षा खतरे के रूप में उभर सकती हैं। इस रिपोर्ट में चर्चा की गई है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नए संबंधों के चलते भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर सुरक्षा से संबंधित गंभीर चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान-बांग्लादेश के बढ़ते संबंधों से कट्टरपंथी और आतंकवादी तत्वों के लिए बांग्लादेश की यात्रा करने का अवसर मिल सकता है। बांग्लादेश की भारत के साथ 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, और पाकिस्तान के कट्टरपंथी समूहों द्वारा इस सीमा का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) का भी पूर्व में बांग्लादेश में सक्रिय होने का इतिहास रहा है। 1971 के भारत-पाक युद्ध और उसके बाद बांग्लादेश में पाकिस्तान के अत्याचारों और शेख मुजीबुर रहमान की हत्या में आई.एस.आई. की भूमिका ने दोनों देशों के रिश्तों को हमेशा के लिए प्रभावित किया। इसके बावजूद, 2001 से 2006 तक बांग्लादेश में बी.एन.पी. (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) और जमात-ए-इस्लामी के शासन के दौरान, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. ने बांग्लादेश को आतंकवादी और विद्रोही समूहों के लिए एक आधार के रूप में इस्तेमाल किया।

भारत में 2001 और 2006 के बीच हुए कई बड़े आतंकवादी हमलों के पीछे बांग्लादेश का कनेक्शन सामने आया था। 2004 में चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान द्वारा हथियारों की तस्करी की कोशिश के दौरान बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा, बी.एन.पी. सरकार के कुछ मंत्रियों का नाम भी भारत में उग्रवाद को बढ़ावा देने में शामिल रहा था। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ती नजदीकी से भारत को सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं।

हालांकि, 2019 से पहले शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के दौरान पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के रिश्ते अत्यधिक तनावपूर्ण रहे थे, लेकिन अब बांग्लादेश में हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पाकिस्तान का दूतावास बांग्लादेश में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिशें कर रहा है। इस सिलसिले में, पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ ने हाल ही में बांग्लादेश के विपक्षी दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया से मुलाकात की। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि 1971 के बाद पहली बार एक पाकिस्तानी मालवाहक जहाज बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा है, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों को फिर से सशक्त बनाने की कोशिश कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दोबारा शादी कब कर सकता हूं ? शख्स ने गूगल पर किया सर्च, पत्नी की हत्या के आरोप में हुआ गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वर्जीनिया में नेपाली मूल के नरेश भट्ट पर अपनी पत्नी के लापता होने के चार महीने बाद उसकी हत्या का आरोप लगाया है. यह आरोप उस पर तब लगा, जब उसने कथित तौर पर गूगल पर सर्च किया कि अमेरिका में पत्नी की मौत के बाद शादी होने में कितना समय लगता है?. अदालत के दस्तावेजों के अनुसार 37 वर्षीय व्यक्ति पर प्रिंस विलियम काउंटी ग्रैंड जूरी ने हत्या और शव को अपवित्र करने के आरोप में चार्जेस लगाए थे. फिलहाल उसकी पत्नी ममता भट्ट का शव नहीं मिला है. हालांकि, जांचकर्ताओं ने उसके डीएनए को दंपति के मानसास स्थित घर में मिले खून से मिलाया है.पुलिस ने इसकी पुष्टि की है. अभियोजकों ने न्यूयॉर्क पोस्ट के हवाले से बताया कि नरेश ने अपनी 28 वर्षीय पत्नी के गायब होने से तीन महीने पहले इस बारे में जानकारी जुटाई थी कि पति या पत्नी की मौत के बाद शादी करने में कितना समय लगता है? न्यूज एजेंसी ने इस संबंध में पुलिस प्रमुख मारियो लुगो के हवाले से बताया कि शुरू से ही उनका मानना था कि उनकी हत्या की गई है. लुगो ने कहा मीडिया से कहा, मुझे लगता है कि शव न मिलने के पीछे हमारे पास मजबूत मामला है. बाल चिकित्सा नर्स ममता भट्ट के लापता होने की जांच ने उत्तरी वर्जीनिया के छोटे से समुदाय की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि नेपाल में उनके परिवार और स्थानीय निवासियों ने जवाब खोजने के लिए एकजुट होकर सोशल मीडिया अभियान चलाया है. इसके अलावा परिवार के लोगों ने सामुदायिक कार्यक्रम और रैलियां भी आयोजित की हैं. बता दें कि जुलाई के अंत में ममता के लापता होने के तीन सप्ताह बाद, नरेश पर एक शव को छिपाने का आरोप लगाया गया था. फिलहाल वह जेल में है।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे 700 कैदी अब भी फरार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे कैदियों में से कम से कम 700 कैदी अब भी फरार हैं, जिनमें दोषी आतंकवादी और मौत की सजा पाए कैदी शामिल हैं। छात्र आंदोलन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। जेल महानिरीक्षक ब्रिगेडियर जनरल सैयद मोहम्मद मोताहिर हुसैन ने कहा कि देश भर में लगभग 2,200 कैदी विभिन्न जेलों से भाग गए थे, जिनमें से 700 अब भी फरार हैं जबकि बाकी कैदी सजा काटने के लिए जेलों में वापस लौट गए हैं या उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। हुसैन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लगभग 700 (फरार कैदियों) में से 70 चरमपंथी और मौत की सजा पाए अपराधी हैं।

सीरिया : विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बीच राष्ट्रपति ने सैन्य कर्मियों का वेतन 50 फीसदी बढ़ाया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने सैन्य कर्मियों के वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि का आदेश जारी किया। ये ऐलान ऐसे समय में किया गया जब सरकारी बल, उत्तरी और मध्य सीरिया में कई मोर्चों पर विद्रोही गुटों के साथ भीषण लड़ाई में लगे हुए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, सैलरी हाइक सभी सैन्य कर्मियों पर लागू होगी। वेतन वृद्धि आदेश जारी होने की तारीख से उनके मूल वेतन में जोड़ दी जाएगी। सैलरी हाइक ऐसे समय में की गई जब सीरियाई सरकारी सेना हामा, अलेप्पो और इदलिब प्रांतों सहित प्रमुख क्षेत्रों में विद्रोही गुटों के खिलाफ अभियान तेज कर रही है। विद्रोही गुटों ने पिछले सप्ताह से उत्तरी सीरिया पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

ट्रंप सरकार में एक और अहम नियुक्ति, अरबपति डेविड सैक्स होंगे व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो जार

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में एक और अहम नियुक्ति की है। ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। डेविड के नाम का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि डेविड सरकार की एआई और क्रिप्टोकरेंसी पर नीतियों का नेतृत्व करेंगे। ये दोनों क्षेत्र भविष्य में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहद अहम हैं। डेविड ऑनलाइन फ्री स्पीच की रक्षा करेंगे और हमें बड़ी तकनीकी कंपनियों और उनकी सेंसरशिप से दूर रखेंगे। डेविड सैक्स फिनटेक कंपनी पेपैल के पूर्व सीओओ (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं। सैक्स की संपत्ति अरबों डॉलर है और वे कथित पेपैल माफिया कहे जाने वाले समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में अन्य प्रभावशाली उद्योगपति एलन मस्क और पीटर थिएल भी शामिल हैं।

सीरिया : एक और अहम शहर पर विद्रोहियों का कब्जा; राष्ट्रपति के पिता की मूर्ति तोड़ी; अब बढ़ रहे होम्स की तरफ

बेरूत, एजेंसी। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास के हमले के बाद इस्राइल ने जो जंग शुरू की थी, वो अभी खत्म भी नहीं हुई है। सीरिया में एक और युद्ध शुरू हो गया है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से सीरिया में जो कुछ भी हो रहा है, वो इस बात के सबूत हैं कि मध्य-पूर्व में युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीरिया में बीते 27 नवंबर से सेना और विद्रोहियों के बीच चल रहे संघर्ष में सेना को एक और झटका लगा है। विद्रोहियों ने एक और शहर हमा पर भी कब्जा कर लिया है। सेना ने एलान करते हुए बताया कि विद्रोहियों ने शहर में डिफेंस लाइन को तोड़ दिया था, जिसके बाद उन्होंने पीछे हटने का फैसला किया है। हमा शहर, अलेप्पो के बाद सीरिया का सबसे अहम शहर है। सीरियाई सेना ने शहर को खाली करने का एलान कर दिया है।

सीरियाई राष्ट्रपति के पिता की मूर्ति तोड़ी : सीरिया के हमा शहर पर विद्रोहियों का कब्जा हो गया है। इस दौरान विद्रोहियों ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के पिता की मूर्ति भी तोड़ डाली। हमा से पहले सीरिया विद्रोहियों ने तीन बड़े शहरों पर कब्जा किया था। विद्रोही गुटों ने पिछले सप्ताह, उत्तरी सीरिया पर अपने हमले तेज करते हुए सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया था। अलेप्पो के बाद हमा सीरिया का अहम शहर था।

करीब एक सप्ताह से चल रहा विद्रोह : इस्लामी चरमपंथी विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में विद्रोहियों ने एक सप्ताह से भी कम समय पहले अपना आक्रमण शुरू किया था, ठीक उसी समय जब पड़ोसी लेबनान में इस्राइल और असद के सहयोगी हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम समझौता हुआ था।

हयात तहरीर अल-शाम ने जीत का किया एलान : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एचटीएस के नेता अबू मोहम्मद अल-जवलानी ने हमा में जीत की घोषणा की है। हालांकि, इससे पहले विद्रोहियों और उनके सहयोगियों ने हमा की सेंट्रल जेल पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद उन्होंने भीषण लड़ाई के बीच कैदियों को रिहा कर दिया था। बता दें कि, अलेप्पो से 110 किलोमीटर दक्षिण में स्थित हमा में दस लाख लोग रहते हैं।

विद्रोही लड़ाकों ने जमीन को चूमा और जश्न के दौरान गोलियां चलाईं : ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि रातभर हुई झड़पों के बाद विद्रोहियों ने हमा पर कई तरफ से हमला किया और राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना के साथ सड़कों पर लड़ाई शुरू कर दी। इस बीच, विद्रोहियों ने बाद में अपने टेलीग्राम चैनल पर एक संदेश में हमा शहर पूरी तरह से मुक्त की घोषणा की। विद्रोही लड़ाकों ने सीरिया के चौथे सबसे बड़े शहर में प्रवेश करते ही जमीन को चूमा और जश्न के दौरान गोलियां चलाईं। कई निवासी विद्रोही लड़ाकों का स्वागत करने के लिए आए। एक मीडिया चैनल के फोटोग्राफर ने देखा कि कुछ निवासियों ने सिटी हॉल के पास लगे असद के एक विशाल पोस्टर में आग लगा दी। सेना ने अलेप्पो और दमिश्क में असद की सत्ता की सीट के बीच रणनीतिक रूप से स्थित शहर पर नियंत्रण खोने की बात स्वीकार की है। रक्षा मंत्री अली अब्बास ने जोर देकर कहा कि सेना की वापसी एक अस्थायी रणनीतिक उपाय था। हमारे बल अब भी आसपास के क्षेत्र में हैं।

सीरियाई सरकार के लिए बड़ा झटका : सेंचुरी इंटरनेशनल थिंक टैंक के फेलो एरन लुंड ने हमा को कब्जाए जाने को सीरियाई सरकार के लिए बहुत बड़ा झटका बताया है।उन्होंने कहा कि एचटीएस अब सीरिया के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स की ओर बढ़ने की कोशिश करेगी, जो दक्षिण में लगभग 40 किलोमीटर (25 मील) दूर है। यहां से निवासी पहले ही अपने घरों को छोड़कर जाने लगे हैं।

सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध : 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

कैलिफोर्निया में महसूस किए गए भूकंप के झटके, सुनामी की चेतावनी जारी

कैलिफोर्निया , एजेंसी। गुरुवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के फर्नडेल शहर में जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र समुद्र तल से 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था। इस भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई है।

भूकंप का केंद्र और प्रभावित क्षेत्र : यह भूकंप सुबह 10 : 44 बजे आया और इसका केंद्र तटीय हम्बोल्ट काउंटी के फर्नडेल शहर से पश्चिम में था जो ओरेगॉन सीमा से लगभग 130 मील (209 किमी) दूर स्थित है। इस भूकंप ने उत्तरी कैलिफोर्निया के एक बड़े क्षेत्र को हिलाकर रख दिया।

सुनामी की चेतावनी : यूएस नेशनल सुनामी सेंटर ने फर्नडेल के आसपास के क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। चेतावनी लगभग एक घंटे तक प्रभावी रही और कैलिफोर्निया के मोंटेरी खाड़ी के उत्तर से लेकर ओरेगॉन तक लगभग 500 मील (805 किमी) के समुद्र तट को कवर किया। इस चेतावनी के तहत तटीय इलाकों के निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई।

भूकंप के प्रभाव : भूकंप के झटके इतनी तीव्र थे कि कई इमारतें हिल गईं। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान या चोट की कोई जानकारी नहीं मिली है। भूकंप के बाद कुछ छोटे झटके भी महसूस हुए। यह भूकंप सैन फ्रांसिस्को तक महसूस किया गया जो लगभग 270 मील (435 किमी) दूर है। यहां के निवासियों ने कुछ सेकंड तक एक रोलिंग गति महसूस की।

तट से दूर रहने की चेतावनी : भूकंप के तुरंत बाद राष्ट्रीय मौसम सेवा ने लोगों से तटों से दूर रहने की अपील की। चेतावनी दी गई कि शक्तिशाली लहरें और तेज धाराएं तटों को प्रभावित कर सकती हैं जिससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है। वहीं यूरेका और आसपास के कई शहरों में एहतियात के तौर पर लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने को कहा गया है। भूकंपविज्ञानी लुसी जोन्स ने बताया कि कैलिफ़ोर्निया का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र भूकंप के लिहाज से राज्य का सबसे सक्रिय हिस्सा है क्योंकि यहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। यह क्षेत्र भूकंप के लिए जाना जाता है। 2022 में भी यहां 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था जिससे हजारों लोग बिजली और पानी से वंचित हो गए थे। कैलिफोर्निया का उत्तरी क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

गाजा में इजरायली बंधक का शव बरामद, 7 अक्टूबर हमले में हमास ने किया था अपहरण

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सुरक्षा बलों ने घोषणा की है कि उन्होंने 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान किडनैप किए गए एक इजरायली बंधक का शव बरामद किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को एक संयुक्त बयान में, शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी और इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक सैन्य अभियान में इटाई स्विर्स्की का शव बरामद करने की पुष्टि की। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, स्विर्स्की को ज़िंदा अगवा किया गया था और बाद में अपहरण करने वालों ने उसे मार डाला। तेल अवीव के निवासी 38 वर्षीय स्विर्स्की को किबुत्ज बेरी से उस समय अगवा किया गया था, जब वह अपने माता-पिता से मिलने गया था। उसके माता-पिता हमास के हमले के दौरान मारे गए। किबुत्ज बेरी के एक बयान में स्विर्स्की की मौत हो जनवरी 2024 तक जाने की आशंका जाहिर की गई थी हगारी ने छह इजरायल बंधकों की मौत की सैन्य जांच के निष्कर्ष भी प्रस्तुत किए, जिनके शव अगस्त में दक्षिणी गाजा के खान यूनिस से बरामद किए गए थे। जांच से पता चला कि उनकी मौत संभावित रूप से उनके बंधक स्थान से 150-200 मीटर की दूरी पर हमास को निशाना बनाकर किए गए।

कनाडा ने हथियारों के 324 मॉडलों पर लगाया प्रतिबंध; इसे लोगों से इकट्ठा कर यूक्रेन भेजने की तैयारी

ओटेवा, एजेंसी। कनाडा ने एक बड़ा कदम उठाया है। इससे जहां रूस के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन की मदद होगी। वहीं, अपने देश की जनता को भी सुरक्षित कर लेंगे। दरअसल, उसने गुरुवार को हमला करने वाले हथियारों के 324 मॉडलों पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया। इन हथियारों को दुकानों से इकट्ठा करके यूक्रेन भेज दिया जाएगा।

35 साल पहले हुए नरसंहार की वर्षगांठ पर लिया फैसला : यह फैसला मॉन्ट्रियल में इकोले पॉलिटेक्निक में एक नारी-विरोधी हमले की 35वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर लिया गया। इस हमले में 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। इस पूरी घटना ने लोगों पर गहरे निशान छोड़ दिए।

कोई परिवार फिर तबाह न हो : जन सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कहा कि सामूहिक गोलीबारी में मारे गए लोगों की यादों का सम्मान करने के लिए बंदूक नियंत्रण पर कार्रवाई करना और इन भयानक अपराधों को करने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियारों तक पहुंच को प्रतिबंधित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कनाडा में फिर से सामूहिक गोलीबारी से कोई समुदाय, कोई परिवार तबाह न हो।

ये फैसला हथियार रखने वालों के लिए चेतावनी : छह दिसंबर 1989 में इकोले पॉलीटेक्निक हमले में जिंदा बचीं नथाली प्रोवोस्ट लंबे समय से बंदूक नियंत्रण के लिए पैरवी कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं रो रही हूं, लेकिन मैं मुस्कुरा भी रही हूं क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह के खतरनाक हथियार रखने वालों को एक मजबूत संकेत है कि सरकार कार्रवाई कर रही है।

अमेरिका की तुलना में कम गोलीबारी की घटनाएं : कनाडा में गोलीबारी की घटनाएं संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में कम होती हैं। मगर, अपराध के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले एक दशक में देश में बंदूक अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। सबसे हालिया आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 1,400 गोलीबारी की घटनाएं हुईं, या प्रति 100,000 लोगों पर 36.7 घटनाएं हुईं। कनाडा ने 2020 में देश की अब तक की सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी के जवाब में हमला करने वाले हथियारों के 1,500 मॉडलों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह एक ऐसी घटना है, जिसमें नोवा स्कोटिया प्रांत में 22 लोग मारे गए थे।

14500 बंदूकों को करना है जमा : गुरुवार की घोषणा के बाद कनाडा के लोग 1,800 से अधिक प्रकार के आग्नेयास्त्रों को खरीद, बेच या आयात नहीं कर सकेंगे। हालांकि, कहा जा रहा है कि बैन लगाए जाने वाले मॉडलों की करीब 14500 बंदूकें अभी लोगों के पास हैं। उन्हें अगली साल की अक्तूबर तक का समय दिया जाएगा। इसके तहत यह लोग बंदूकें वापस कर सकते हैं और उन्हें उसके बदले मुआवजा दिया जाएगा।

यूक्रेन की सहायता के लिए अहम कदम : रक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने कहा कि ओटावा बांटने वालों और बंदूक की दुकानों के साथ काम करेगा, जिनके पास ये हथियार स्टॉक में हो सकते हैं। इससे इन हथियारों को इकट्ठा करके कनाडा से बाहर निकालकर यूक्रेन पहुंचाया जाएगा। ताकि रूस के खिलाफ लड़ाई में इन हथियारों का इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन को जो भी सहायता दे सकते हैं।

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठी आवाज, डिकल प्रशिक्षण पर पाबंदी को वापस लेने की मांग

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने अफगानिस्तान के निजी चिकित्सा संस्थानों में महिलाओं द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने पर थोपी गई पाबंदी पर गहरा दुख और नाराजगी जताई है। यूएन उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने इस प्रतिबंध को सत्तारूढ़ तालेबान प्रशासन द्वारा अफगान महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध एक और सीधा प्रहार करार देते हुए इसे वापिस लेने की मांग की है। यूएन कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने गुरुवार को उच्चायुक्त टर्क की ओर से जारी एक वक्तव्य में तालेबान प्रशासन के इस कदम को बेहद भेदभावपूर्ण बताया और सचेत किया कि इससे महिलाओं व लड़कियों के जीवन के लिए कई प्रकार के जोखिम उत्पन्न होंगे। यूएन मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, राजसत्ता द्वारा प्रायोजित भेदभावपूर्ण निर्णयों की एक लंबी फेहरिस्त में यह नई कड़ी है, जिनके जरिए अब तक शिक्षा, कामकाज समेत अन्य क्षेत्रों में महिलाओं व लड़कियों को निशाना बनाया गया है। मानवाधिकार उच्चायुक्त ने कहा है कि ऐसे कदमों को उठा करके,

अफगानिस्तान के भविष्य को पूरी तरह से अपने कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता हथिया ली थी, जिसके बाद से महिला अधिकारों के लिए हालात तेजी से खराब हुए हैं। उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता को नकारा जा रहा है, जिनमें शिक्षा, कार्य, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, आवाजाही, भय से आजादी और भेदभाव से मुक्ति के अधिकार हैं। लड़कियों को माध्यमिक स्तर की शिक्षा से दूर कर दिया गया है और महिलाओं के युनिवर्सिटी में पढ़ाई-लिखाई पर पहले ही पाबंदी लगा दी गई थी। महिलाओं व लड़कियों के मनोरंजन पार्क, सार्वजनिक स्नानघर, जिम, स्पोर्ट्स क्लब में जाने पर पाबन्दी है और देश में महिलाओं व लड़कियों के लिए पोशाक संहिता सख्ती से लागू की गई है। उन्हें बिना किसी पुरुष संगी के लम्बी यात्रा करने की अनुमति नहीं है। मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया कि इस तालेबानी फैसले से महिलाओं व लड़कियों के लिए, उच्चतर शिक्षा की ओर जाने वाला एकमात्र रास्ता भी बंद हो जाएगा। इससे देश में महिला दाइयों, नर्स व चिकित्सकों की उपलब्धता पर असर होगा, जोकि पहले से ही कम है। इस निर्णय से महिलाओं व लड़कियों के लिए पहले से ही जोखिम से जूझ रहे स्वास्थ्य देखभाल सुलभता के अवसर सीमित होंगे. चूँकि पुरुष मेडिकल कर्मचारियों को पुरुष संगी की उपस्थिति के बिना, महिलाओं का उपचार करने पर मनाही है। मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, अफगानिस्तान में पहले से ही मातृत्व मृत्यु की ऊंची दर है और इसलिए यह जरूरी है कि स्वास्थ्य सैक्टर में उनकी उपस्थिति को बरक़रार रखा जाए।

विद्रोही बलों से गंवाए क्षेत्र वापिस लेने को सेना रहे तैयार : सीरियाई रक्षा मंत्री

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के रक्षा मंत्री ने विद्रोही बलों से खोए हुए क्षेत्रों को वापस लेने के लिए सेना को तैयार रहने को कहा है।उन्होंने केंद्रीय शहर हामा से सेना की वापसी को एक रणनीति बताया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अली महमूद अब्बास ने गुरुवार रात को विद्रोही समूहों के खिलाफ चल रही लड़ाई पर एक बयान दिया। अब्बास ने कहा, हमने सबसे चरमपंथी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ भयंकर और निरंतर लड़ाई लड़ी है, जो गुरिल्ला रणनीति अपनाते हैं। इसके लिए हमारे सशस्त्र बलों को उचित रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें आगे बढ़ना, पीछे हटना और फिर से तैनात होना शामिल है। मंत्री ने वर्तमान स्थिति को अच्छा बताया। इसमें कहा गया कि हामा के बाहर हाल ही में बलों की फिर से तैनाती नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक उपाय था। उन्होंने आश्वासन दिया, यह एक अस्थायी उपाय है। हमारे बल हामा के बाहरी इलाकों में बने हुए हैं, अपने राष्ट्रीय और संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने दोहराया कि सेना की कार्रवाई लंबे समय तक स्थिरता सुनिश्चित करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा थी। अब्बास ने विद्रोही समूहों पर सेना की वापसी के दौरान अराजकता पैदा

करने के उद्देश्य से गलत सूचना फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने निवासियों से आधिकारिक चैनलों के माध्यम से प्रसारित जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की। मंत्री ने मौजूदा चुनौतियों से पार पाने की सीरिया की क्षमता पर भी भरोसा जताया।उन्होंने कहा, हमारी सेना, नागरिकों, नेतृत्व समेत हमारे सहयोगियों और मित्रों के समर्थन से, सीरिया किसी भी कठिनाई को पार करने में सक्षम है, चाहे वह कितनी भी गंभीर क्यों न हो। मंत्री की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सीरियाई सरकारी बलों को उत्तरी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में कई मोर्चों पर हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूहों द्वारा हमलों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार तक, जब सेना ने हमा से वापसी की घोषणा की और शहर के बाहर अपने बलों को फिर से तैनात किया था, तब तक विद्रोही बलों ने अलेप्पो और हमा जैसे प्रमुख शहरों पर कब्जा कर लिया था।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति का हटना लगभग तय : महाभियोग चलाने में साथ दे सकती है सत्ताधारी पार्टी

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया की सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति यून सुक-योल पर महाभियोग चलाने के संकेत दिए हैं। न्यूज एजेंसी क्कके मुताबिक पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग-हुन ने कहा कि वे राष्ट्रपति की संवैधानिक शक्ति को कम किया जाना जरूरी है। सत्ताधारी पार्टी पीपुल्स पावर पार्टी के नेता डोंग-हुन ने गुरुवार को कहा- मुझे जानकारी मिली है कि राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने के दौरान कई नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए सेना का इस्तेमाल करने की कोशिश की थी।

डोंग-हुन ने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि राष्ट्रपति की ताकत को कम किया जाए नहीं तो वह फिर से मार्शल लॉ लागू करने जैसा खतरनाक कदम उठा सकते हैं। इससे देश और नागरिकों को खतरा हो सकता है। इससे पहले सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने से इनकार कर दिया था। डांग-हुन ने गुरुवार को कहा था कि वे महाभियोग के प्रस्ताव को खारिज करने की कोशिश करेंगे। हालांकि तब भी उन्होंने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ को लागू करने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया था। लेकिन अब उनके बयान को राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्रपति ने लागू किया मार्शल लॉ, 6 घंटे में हटा : साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू कर दिया था। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर उत्तर कोरिया के साथ सांठगांठ रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों

में शामिल होने का आरोप लगाया। हालांकि यह सिर्फ 6 घंटे ही रह पाया क्योंकि विपक्षी पार्टियों ने संसद में वोटिंग कराकर इसे पलट दिया। इसके बाद से विपक्षी पार्टियां राष्ट्रपति यून से इस्तीफा मांग रही हैं। 6 पार्टियों ने मिलकर राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शनिवार को इस पर वोटिंग हो सकती है।

राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग सफल होगा : साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लागू होने के अगले ही दिन विपक्षी दलों ने मिलकर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। विपक्षी दलों के पास कुल 192 सांसद हैं। 300 सीटों वाले कोरियाई संसद में महाभियोग चलाने के लिए दो-तिहाई यानी कि 200 सांसदों की जरूरत होती है। पीपुल्स पार्टी के पास 108 सीटें हैं। विपक्षी पार्टियों को महाभियोग चलाने के लिए सिर्फ 8 वोटों की जरूरत है। सत्ताधारी पीपुल्स पार्टी के महासचिव डांग-हुन के बयान के बाद माना जा रहा है कि पार्टी के कुछ विरोधी नेता राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग का समर्थन कर सकते हैं।

राष्ट्रपति यून के करीबी थे डांग-हुन, पत्नी की वजह से रिश्ते में खटास आया : डांग-हुन को पहले राष्ट्रपति यून का करीबी माना जाता था, क्योंकि दोनों ने वकालत करते हुए कई साल साथ काम किया था। डांग-हुन पहले राष्ट्रपति यून की सरकार में कानून मंत्री के पद पर थे, लेकिन पीपुल्स पार्टी का महासचिव बनने के बाद दोनों के संबंध काफी खराब हो गए हैं। डांग-हुन, राष्ट्रपति की पत्नी से जुड़े घोटालों को लेकर काफी नाराज माने जाते हैं। उनका मानना है कि इससे पार्टी की छवि पर बुरा असर पड़ा है।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

इम्तियाज अली की फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगे फहद फासिल

पुष्पा 2 स्टार फहद फासिल बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इम्तियाज अली ने अपनी अगली फिल्म के लिए फहद फासिल को साइन किया है। फहद इस आने वाली फिल्म में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। इम्तियाज अली ना केवल फिल्म का निर्देशन करेंगे बल्कि इसके निर्माता भी होंगे। फिल्म का निर्माण कथित तौर पर अगले साल की शुरुआत में शुरू होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फहद फासिल इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के साथ ही वह इम्तियाज अली के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी सफर शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जो उनके पसंदीदा बॉलीवुड निर्देशकों में से एक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फहद इस प्रोजेक्ट पर महीनों से चर्चा कर रहे थे और हाल ही में इसे अंतिम रूप दिया गया है। इस आगामी फिल्म में उनके साथ भूल भुलैया 3 अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की जोड़ी काफी रोमांचक नजर आ रही है। इम्तियाज प्रेम कहानियों में सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं और यह उनकी कहानियों की सूची में सबसे अलग होने का वादा करती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं और 2025 की पहली तिमाही में इसका निर्माण शुरू होने वाला है। इम्तियाज अली अपने बैनर विंडो सीट फिल्म्स के तहत फिल्म का निर्माण करेंगे। यह फिल्म इम्तियाज के साथ फहद का पहला सहयोग और बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म होगी, जबकि तृप्ति ने इससे पहले लैला मजनू में अभिनय किया था, जिसे फिल्म निर्माता ने लिखा था।

इस बीच, फहद फासिल जल्द ही पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन के साथ मुकाबला करते नजर आएंगे। कोच्चि में पुष्पा 2: द रूल के प्री-रिलीज इवेंट में, अल्लू अर्जुन ने अपने सह-कलाकारों, विशेष रूप से फहद फासिल की प्रशंसा करते हुए कहा, मेरी सभी फिल्मों में पहली बार, मैंने सबसे अच्छे मलयालम अभिनेताओं में से एक, हमारे फाफा के साथ काम किया है। मैं वास्तव में आज उसे देखने से चूक गया। मैं वास्तव में चाहता हूं कि हम दोनों आज केरल में एक साथ यहां खड़े होते। यह एक प्रतिष्ठित बात होती। मेरे भाई, धन्यवाद! काश हम यहां एक साथ होते। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।

आलिया भट्ट से तुलना को लेकर बोलीं शालिनी पांडे

महाराज फेम अभिनेत्री शालिनी पांडे ने आलिया भट्ट के साथ के लुक और आवाज को लेकर हुई तुलना के बारे में बताया। शालिनी ने माना कि वह तुलनाओं से चिढ़ जाती थीं और चाहती थीं कि लोग उन्हें वह जैसी हैं उसी रूप में देखें, लेकिन अब उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

आवाज और लुक को लेकर बोलीं शालिनी

बातचीत में शालिनी पांडे ने अनन्या पांडे, अदिति राव हैदरी, तृप्ति डिमरी के साथ बात की। उन्होंने बातचीत में कहा कि लोग उन्हें आलिया की आवाज और लुक को लेकर चर्चा करते रहे। इस दौरान उन्हें चिढ़ होती थी। शालिनी पांडे ने कहा, पहले वह तुलनाओं से थोड़ी चिढ़ जाती थीं क्योंकि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें उनके वास्तविक रूप में देखें, न कि किसी तुलना के लिए। उन्होंने कहा, पहले, मैं थोड़ी चिढ़ जाती थी, इसलिए नहीं कि मुझे आलिया पसंद है, बल्कि इसलिए कि जब आपकी तुलना किसी से की जाती है, तो आप ऐसा सोचते हैं, नहीं, मैं अपनी हूं, इसलिए मैं ऐसा सोचती थी, नहीं, मुझे वैसा ही देखो जैसा मैं हूं। शालिनी पांडे ने कहा कि समय बीतने के साथ उनका नजरिया भी बदलने लगा।

तमिल फिल्म में भी कर चुकी हैं काम

शालिनी पांडे को महाराज फिल्म के लिए जाना जाता है। वे कई तमिल और तेलुगु फिल्मों के लिए काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने 2022 में रणवीर सिंह अभिनीत जयेशभाई जोरदार से हिंदी फिल्म में अपनी शुरुआत की। दो साल के ब्रेक के बाद, उन्होंने अपनी अगली हिंदी फिल्म महाराजा में काम किया।

विक्रांत सिंह से प्रेम विवाह रचाकर पछताईं मोनालिसा?

मोनालिसा और विक्रांत सिंह की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है। इन्होंने प्रेम विवाह रचाया। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल ने रियलिटी शो बिग बॉस में शादी रचाई। अब अचानक मोनालिसा लव मैरिज में पछताती नजर आ रही हैं। आप कुछ गलत समझें उससे पहले बता दें कि हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। दरअसल, मोनालिसा का नया गाना रिलीज हुआ है। इसका टाइटल है, लव मैरिज में भारी नुकसान हो गैल।

पति विक्रांत के साथ जमी जोड़ी

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित स्टार मोनालिसा अपने डांस के लिए मशहूर हैं। आज बुधवार को उनका भोजपुरी गाना रिलीज हुआ है। दिलचस्प बात ये है कि इसमें उनके पति विक्रांत सिंह भी नजर आए हैं। मोनालिसा और विक्रांत के फैंस के लिए यह किसी ट्रीट से कम नहीं। इस गाने में वे लव मैरिज के साइड इफैक्ट दिखाती नजर आई हैं। दोनों के बीच कमाल के केमिस्ट्री दिखाई दी है। गाने में मोनालिसा मजाकिया अंदाज में अपने पति को ताने देती दिख रही हैं।

मोनालिसा ने साझा किया पोस्ट

यह गाना यूट्यूब पर टी-सीरीज हमार भोजपुरी चैनल पर जारी किया गया है। गाने को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। लोगों को गाना तो पसंद आ ही रहा है, मोनालिसा और विक्रांत को परदे पर साथ देखकर भी वे बेहद खुश हैं। रिलीज के कुछ ही घंटों में इसे नौ लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पोस्ट साझा कर इस गाने की रिलीज की जानकारी फैंस से साझा की है और इसे देखने की अपील की है। इस गाने को सिंगर प्रिया मलिक ने अपनी सुरीली आवाज से सजाया है। गीत के बोल पंकज नारायण ने लिखे हैं, जबकि इसका म्यूजिक विक्की प्रसाद ने कम्पोज किया है। म्यूजिक वीडियो के डायरेक्टर अपूर्व बजाज हैं।

प्रेम लीला शो में आएंगी नजर

मोनालिसा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके हाथ नया शो प्रेम लीला लगा है। कल मंगलवार से उन्होंने इसकी शूटिंग शुरू की है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी साझा की। इस शो में वे रुद्राक्षी के किरदार में नजर आएंगी।

डिवोर्स की अफवाहों के बीच नीति बोली- मेरी चुप्पी मेरा जवाब है, सरनेम हटाने की वजह बताई

पिछले कुछ समय से टीवी अभिनेत्री नीति टेलर अपने निजी जीवन के कारण चर्चा में बनी हुई है। कहा जा रहा है कि उनका अपने पति परीक्षित बावा से अलगाव हो गया है। नीति ने भी इन अफवाहों का अब तक खंडन नहीं किया था। लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने तलाक की अफवाहों पर बात की है।

चुप रहने की वजह बताई

हाल ही में नीति ने अपने तलाक से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की। वह कहती हैं, 'अगर हम चुप हैं या कोई सफाई नहीं दे रहे हैं तो यही हमारा जवाब है। मेरी चुप्पी ही मेरा जवाब है। जब ऐसा कुछ है ही नहीं, सबकुछ ठीक है तो कोई सफाई देने की जरूरत ही नहीं है। कुछ महीनों पहले भी उन्होंने इस बातों को बिल्कुल झूठा बताया था।

शादी को हुए हैं कुछ ही साल

नीति की शादी साल 2020 में परीक्षित बावा से हुई थी, वह एक्टिंग वर्ल्ड से नहीं आते हैं। नीति के पति एक आर्मी ऑफिसर हैं। यह तलाक की अफवाह नीति के कारण ही सामने आई। दरअसल, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज से परीक्षित का सरनेम अपने नाम से अलग कर लिया था।

सरनेम हटाने का कारण बताया

नीति ने पति का सरनेम क्यों अपने नाम से हटाया है? इस बारे में भी वह बताती हैं। नीति कहती हैं, 'ऐसा ज्योतिष कारणों से मैंने किया है।' वह यह भी बताती हैं कि आज भी उनके सोशल मीडिया पेज पर पति के साथ उनकी सारी फोटो मौजूद हैं।

'बड़े अच्छे लगते हैं' सीरियल से हुई चर्चित

नीति टेलर ने बहुत कम उम्र में टीवी सीरियल्स में काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन नीति को पहचान सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के जरिए मिली। इस सीरियल के अलावा वह 'ये हैं यारियां' सीरियल में भी नजर आई थीं। इन दिनों वह अपनी पर्सनल लाइफ में काफी बिजी हैं।

विवेक ओबेरॉय ने बताई फिल्म इंडस्ट्री की हकीकत

अभिनेता विवेक ओबेरॉय की फिल्मी यात्रा उतार-चढ़ावों से भरी रही है। कई शानदार फिल्मों में नजर आने के बाद अचानक वे इंडस्ट्री से गायब हो गए। फिल्मी परिवार से होकर भी उन्होंने ऐसा समय देखा, जब उनके पास कोई फिल्म नहीं रही। हाल ही में अभिनेता अपने करियर के संघर्ष और फिल्म इंडस्ट्री के मिजाज पर बात करते नजर आए। उन्होंने इंडस्ट्री को एक बेहद असुरक्षित जगह बताया है।

हिट फिल्म देकर भी रहे बेरोजगार

विवेक ओबेरॉय ने अपने करियर के चैलेंजिंग पड़ाव पर बात की, जब वे करीब डेढ़ साल तक बेरोजगार रहे। करियर में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला देने के बाद भी उन्होंने ये दौर देखा। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तनाव और दबाव के चलते उन पर बहुत बुरा असर पड़ा। इसके चलते उन्हें थकान महसूस होने लगी।

सामने रखी इंडस्ट्री की हकीकत

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में विवेक ओबेरॉय ने फिल्म इंडस्ट्री को असुरक्षित जगह बताया उन्होंने कहा, मैंने 22 साल में करीब 67 प्रोजेक्ट किए हैं, लेकिन इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। आप बढ़िया काम कर सकते हैं, पुरस्कार जीत सकते हैं और एक अभिनेता के तौर पर अपना काम कर सकते हैं, लेकिन साथ ही यहां रहकर आपको दूसरी वजहों से बेरोजगारी का सामना भी करना पड़ सकता है।

उम्मीदों पर फिर गया पानी

विवेक ओबेरॉय साल 2007 में आई शूटआउट एट लोखंडवाला की सफलता के बावजूद लगभग 15 महीनों तक बेरोजगार रहे। इस बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, साल 2007 के बाद, जब मैंने शूटआउट एट लोखंडवाला की और गणपत गाना वायरल हो गया, मैंने पुरस्कार जीते तो मुझे उम्मीद थी अब कई सारे ऑफर मिलेंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ, बल्कि करीब डेढ़ साल तक घर बैठा रहा।

आर्थिक स्वतंत्रता के लिए उठाया ये कदम

विवेक ओबेरॉय ने कहा कि साल 2009 में उन्होंने एक अहम फैसला लिया। उन्होंने इंडस्ट्री के भरोसे रहने की बजाय आर्थिक स्वतंत्रता पर फोकस किया। उन्होंने तय किया कि वे बाहरी ताकतों को अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। एक्टर ने बताया कि व्यवसाय में कदम रखने से उन्हें वह स्वतंत्रता मिली, इसकी उन्हें चाहत थी। विवेक के मुताबिक, सिनेमा हमेशा उनका जुनून रहेगा, लेकिन उन्होंने व्यवसाय को आजीविका के लिए प्लान बी के रूप में देखा। इस कदम ने उन्हें इंडस्ट्री की असुरक्षाओं आजादी दिलाने में मदद की। विवेक ओबेरॉय के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने मस्ती 4 सहित चार फिल्में साइन की हैं।

कब आएगी चांदनी चौक टू अफ्रीका? निखिल आडवाणी ने दिया बड़ा अपडेट

साल 2009 में आई फिल्म चांदनी चौक टू चाइना भले ही व्यवसायिक रूप से सफल नहीं हो सकी, लेकिन यह फिल्म दर्शकों के बीच काफी आज भी काफी ज्यादा लोकप्रिय है। इस फिल्म में अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म अपने एक्शन और कॉमेडी के लिए काफी पसंद की गई थी। अब फिल्म के निर्देशक निखिल आडवाणी ने इस फिल्म के सीक्वल चांदनी चौक टू अफ्रीका के बारे में अहम जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अगर दर्शक चाहते हैं तो वह अक्षय कुमार से इस पर बात करेंगे और फिल्म पर चर्चा करेंगे। निखिल आडवाणी ने कहा कि उन्हें इस फिल्म के बारे में बहुत कुछ सुनने को मिल रहा है। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म कब रिलीज होगी तो उन्होंने कहा, पता नहीं यार। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि चांदनी चौक टू चाइना का पहला आधा हिस्सा शानदार था, लेकिन वह अब भी यह समझने में असमर्थ हैं कि फिल्म को बड़े पर्दे पर इसे क्यों नहीं देखा गया।

सीक्वल पर दिया अपडेट

जब होस्ट ने उनसे कहा कि आज भी लोग फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं तो निखिल ने कहा कि वह इस बारे में अक्षय कुमार से जरूर बात करेंगे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अक्सर सुबह जल्दी उठकर अक्षय कुमार से चार-पांच बजे बातचीत करते हैं और हम साथ में काम करने की योजना बना रहे हैं।

दूसरा पार्ट बनाने की नहीं थी योजना

निखिल ने यह भी बताया कि चांदनी चौक टू अफ्रीका की योजना कभी नहीं बनाई गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि अगर चांदनी चौक टू चाइना सफल होती है तो इसके दूसरे भाग पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार को दीपिका पादुकोण के साथ उनकी फिल्म बहुत पसंद आई थी, हालांकि फिल्म का दूसरे हाफ में कुछ समस्याएं थीं जिसके कारण यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई।

इन फिल्मों में दिखेंगे अक्षय कुमार

निखिल आडवाणी ने यह भी कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह इस फिल्म के दूसरे हाफ को फिर से शूट करना चाहेंगे। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, रणवीर शौरी, रोजर युआन और चीनी अभिनेता गॉर्डन लियू जैसे सितारे भी थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार जल्द ही जॉली एलएलबी 3, हाउसफुल 5, वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3 और स्काई फोर्स जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

'सिटाडेल 2' की शूटिंग प्रियंका ने की पूरी, शो को बताया 'रोलर कोस्टर राइड'

प्रियंका चोपड़ा ने अपने बहुप्रतीक्षित वेब शो सिटाडेल के सीक्वल की शूटिंग पूरी कर ली है। मंगलवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर शो की शूटिंग खत्म होने के बाद तस्वीरें साझा की। अभिनेत्री ने अपने इस सफर को 'रोलर कोस्टर राइड' बताया।

पहली तस्वीर में, प्रियंका अपने किरदार नादिया सिंह के लुक में और फूलों का गुलदस्ता लेकर मुस्कुराती नजर आईं। वहीं, अभिनेत्री ने कई सारे अन्य पल भी वीडियो और तस्वीर के माध्यम से साझा किए। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा कि उनका यह साल काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, साथ ही उन्होंने शूटिंग पूरा होने पर कास्ट और क्रू का आभार जताया।